सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 290 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 2 अगस्त 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

कांग्रेस ने अपने कई विधायकों को साफ कह दिया- आपकी स्थिति ठीक नहीं

अपने 'रिस्क' पर टिकट चाहते हैं विधायक

श्रीकंचनपथ न्यूज़

भिलाई। सत्ता और संगठन में बेहतर आपसी सामंजस्य के बीच एक चौंकाने वाली खबर आई है। बताया गया है कि कांग्रेस के जो विधायक जीत हासिल करने की स्थिति में नहीं है, उन्हें स्पष्ट तौर पर बता दिया गया है। लेकिन क्षेत्र में अपनी खराब स्थिति के बाद भी ये विधायक टिकट चाहते हैं। इसके पीछे कई तरह के समीकरणों का हवाला दिया जा रहा है और अपनी जीत की पूरी संभावना भी जताई जा रही है। पार्टी ने स्थानीय स्तर पर हासिल रिपोर्ट और सर्वे की रिपोर्टों के आधार पर विधायकों को क्षेत्र में सक्रिय रहने और अपनी खराब स्थिति को सुधारने की नसीहत काफी पहले ही दे दी थी। उसी समय से यह भी चर्चा जोरों पर है कि कांग्रेस इस बार परंपरा के विपरीत जाकर विधायकों के भी टिकट काट सकती है। ऐसे विधायकों की संख्या दो दर्जन से भी ज्यादा बताई जा रही है।

कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ में प्रदेश अध्यक्ष बदला तो कई तरह के कयासों को बल मिला, किन्तु मोहन मरकाम के कार्यकाल में ही पार्टी ने सभी 90 सीटों के लिए तैयारियां शुरू कर दी थी। तब सत्ता और संगठन में अच्छा तालमेल था। बतौर प्रदेश अध्यक्ष मरकाम ने काफी पहले ही संकेत दे दिया था कि पार्टी की चुनावी तैयारियां सत्ता में आने के बाद से ही शुरू हो गई थी। यानी, आंतरिक तौर पर कांग्रेस सत्ता संभालने के तत्काल बाद से ही अगले चुनाव पर गम्भीर हो गई थी। भूपेश सरकार के लिए सबसे बड़ी दिक्कत कोरोना की महामारी ने पेश की। इसके चलते पूरे 2 वर्ष तक सरकार का काम पूरी तरह ठप्प पड़ा रहा। लेकिन कोरोना की विभीषिका मंद पड़ते ही सरकार भी तत्काल सक्रिय हो गई और मिशन 2023 को अपने पक्ष में करने जुट गई। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जनता से जुड़ी उन योजनाओं को साकार करने की पहल की, जिससे जनमानस को कांग्रेस के पक्ष में किया जा सके। खासतौर पर गांव, गरीब, किसान से लेकर युवाओं तक पर फोकस किया गया। मिशन मोड में आने के साथ ही उन क्षेत्रों की ओर विशेष तौर पर ध्यान दिया गया, जहां से मोटे तौर पर वोट कबाड़े जा सकते थे। इसके अलावा जातीय व सामाजिक समीकरणों पर भी फोकस किया गया। यह सब कुछ बहुत सुनियोजित तरीके से और बड़े आराम से चलता रहा। विपक्ष पहले से ही कमजोर था। उसे कांग्रेस के सत्ता और संगठन के निहित उद्देश्यों की भनक तक नहीं लग पाई। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बेहतर राजनीतिक सूझ-बूझ के साथ छत्तीसगढ़ के हालातों को अपने पक्ष में कर लिया। नीतियां ऐसी बताई गई कि भाजपा के पास मुद्दों का अभाव रहा। सीएम भूपेश के कार्यकाल में भाजपा अब तक सिर्फ कसमसाती रही है। उसके पास चाहकर भी करने को कुछ नहीं है। इसीलिए परंपरागत रूप से भ्रष्टाचार को मुद्दा बनाया जा रहा है।

ज्यादातर विधायक मैदानी इलाकों के

जिन विधायकों की स्थिति नाजुक बताई जा रही है, उनमें से ज्यादातर (या लगभग सभी) मैदानी इलाकों के बताए जा रहे हैं। इसका आशय यह भी है कि पार्टी बस्तर और सरगुजा जैसे पहाड़ी क्षेत्रों के विधायकों को रिपीट कर सकती है। इन पहाड़ी इलाकों से 2018 में भाजपा का सूपड़ा पूरी तरह साफ हो गया था। चुनावी रिपोर्टों में सरगुजा में पार्टी को कुछ नुकसान का अंदेशा जताया गया था, किन्तु अब हालात पूरी तरह दुरूस्त है। टीएस सिंहदेव को उपमुख्यमंत्री बनाकर और भाजपा के सीनियर नेता नंदकुमार साय को कांग्रेस में लाकर और सम्मान स्वरूप उन्हें केबिनेट मंत्री का दर्जा देकर स्थितियों को संभाला गया है। बस्तर से सांसद दीपक बैज को प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व अध्यक्ष मोहन मरकाम को केबिनेट मंत्री बनाकर वहां भी संतुलन बरकरार रखा गया है। इससे बस्तर में कांग्रेस के हालात और मजबूत हुए हैं। जानकारों के मुताबिक, न केवल विधायक, अपितु 2-3 प्रभावशाली मंत्रियों की रिपोर्ट भी विपरीत आई है। इनमें दुर्ग संभाग से निर्वाचित दो मंत्रियों के नाम प्रमुखता से लिए जा रहे हैं। इनके क्षेत्र बदलने की भी चर्चा है।

23-24 की तैयारी एक साथ

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह चुनावी राज्यों के लगातार दौरे कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ में ही वे एक महीने में तीन बार आ चुके हैं। दो बार तो यहां रूककर सीनियर नेताओं से राय-मशविरा भी कर चुके हैं। शाह की सक्रियता संकेत है कि भाजपा के लिए यहां राह उतनी आसान नहीं है, जितनी कि भाजपा के नेता दावा कर रहे हैं। दरअसल, कांग्रेस ने सत्ता में आने के बाद से ही मिशन-2023 के साथ ही 2024 की भी तैयारियां शुरू कर दी थी। संगठन के जानकारों की मानें तो पार्टी ने सभी 90 सीटों पर अपना होमवर्क पूरा कर लिया है। खराब स्थिति वाले विधायकों की खबर हाईकमान तक पहुंचाई जा चुकी है। हाईकमान ने फिलहाल इन विधायकों का फैसला पेंडिंग रखा हुआ है, लेकिन बताया जा रहा है कि टिकट वितरण के दौरान इसका विशेष तौर पर ख्याल रखा जाएगा कि बहुत खराब स्थिति वालों को टिकट देकर सत्ता का गणित न गड़बड़ाए। जानकारों की मानें तो कांग्रेस को पूरा भरोसा है कि वह पूर्ण बहुमत के साथ एक बार फिर सरकार बनाने जा रही है। हालांकि इसके लिए पार्टी को कुछ कटु फैसले भी लेने पड़ सकते हैं।

नाराजगी से बचने की भी जुगत

पार्टी को इस बात का भी अंदेशा है कि विधायकों के टिकट काटने से समर्थकों में नाराजगी फैल सकती है। इसके भीतरघात और खुलाघात जैसे नतीजे आ सकते हैं या कार्यकर्ता चुपचाप घर बैठ सकते हैं। इन सबके चलते नुकसान पार्टी का ही होगा। शायद यही वजह है कि कुछ महीनों पहले ही विधायकों को सचेत कर दिया गया था कि क्षेत्र में उनकी स्थिति ठीक नहीं है। ऐसे विधायकों को अपने-अपने क्षेत्र में सक्रिय होने को भी कहा गया था। बताते हैं कि सत्ता और संगठन से मिले दिशा-निर्देशों के बाद कई विधायकों ने अपनी स्थिति को सुधारा है, लेकिन अब भी काफी विधायक ऐसे हैं, जिनकी छवि यथावत् है। ऐसे विधायकों का टिकट कटेगा या नहीं, यह तो फिलहाल नहीं कहा जा सकता, किन्तु बताते हैं कि अपनी खराब स्थिति के बाद भी विधायकों ने अपने रिस्क पर टिकट देने की वकालत की है। इसके पीछे, सामाजिक, जातीय समेत कई तरह के समीकरणों का हवाला दिया जा रहा है। मजे की बात तो यह है कि इनमें कुछ ऐसे विधायक भी शामिल हैं, जो लगातार सक्रिय तो हैं, किन्तु चुनाव जीतने की संभावनाएं कम है।

खास - खबर

अंगदान के प्रति लोगों को जागरूक करने कल मनाया जाएगा अंगदान महोत्सव

रायपुर। अंगदान के प्रति लोगों को जागरूक करने प्रदेश में 3 अगस्त को भारतीय अंगदान दिवस पर अंगदान महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने परिपत्र जारी कर सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा राज्य स्वास्थ्य संसाधन केंद्र (SHRC) के संचालक को इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। संचालक, चिकित्सा शिक्षा ने भी सभी शासकीय मेडिकल कॉलेजों के डीन को परिपत्र जारी कर इसके आयोजन के निर्देश दिए हैं।

एनएचएम ने सभी जिलों के सीएमएचओ को लिखा पत्र, डीएमई ने भी परिपत्र जारी कर सभी मेडिकल कॉलेजों में आयोजन के दिए निर्देश

केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने अंगदान के प्रति लोगों को जागरूक करने तथा इससे जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने के लिए सभी राज्यों को 3 अगस्त को अंगदान महोत्सव के आयोजन के लिए निर्देशित किया है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने अपने पत्र में राज्यों को बताया है कि भारत सरकार ने देश में अंग खरीदी और वितरण की एक कुशल और संगठित प्रणाली प्रदान करने और दाताओं की एक राष्ट्रीय रजिस्ट्री बनाए रखने के लिए एक शीर्ष संगठन राष्ट्रीय अंग और उत्तक प्रत्यारोपण संगठन (NOTTO) के साथ ही क्षेत्रीय और राज्य स्तर पर समान संगठनों की स्थापना की है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संचालक भोसकर विलास संदिपान ने भारत सरकार के पत्र का उल्लेख करते हुए सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा राज्य स्वास्थ्य संसाधन केंद्र को जारी परिपत्र में कहा है कि अंगदान और प्रत्यारोपण की सुविधा के लिए स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करना सरकार की महत्वपूर्ण प्राथमिकता है। एक अंगदाता आठ लोगों की जान बचा सकता है। अंग प्रत्यारोपण की आवश्यकता और इसके लिए उपलब्ध अंगदाताओं के बीच एक बड़ा अंतर मौजूद है।

अंगदान के प्रति लोगों को जागरूक करने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने 3 अगस्त को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों के अधीनस्थ चिकित्सालयों में अंगदान महोत्सव का आयोजन करने को कहा है। मिशन ने इस दौरान अंगदान के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार कर लोगों को जागरूक करने के साथ ही प्रतिज्ञा समारोह जैसी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से जनसामान्य के बीच अंग एवं उत्तक दान के बारे में जानकारी प्रसारित करने को कहा है।

नहीं होगा तारा कोल ब्लॉक के कॉमर्शियल खनन, छत्तीसगढ़ सरकार ने जताई थी आपत्ति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कोयला मंत्रालय ने छत्तीसगढ़ सरकार की आपत्ति के बाद तारा कोयला ब्लॉक को वाणिज्यिक खनन कार्रवाई प्रक्रिया से वापस ले लिया है। इसका वन क्षेत्र 81प्रतिशत है और यह राज्य के हसदेव अरण्य में भारत का सबसे बेहतरीन जंगल है। केंद्रीय कोयला मंत्रालय की ओर से 28 जुलाई को नीलामी से हटने का नोटिस जारी किया गया था। नोटिस में कहा गया था कि कोयला मंत्रालय ने 29 मार्च, 2023 को वाणिज्यिक कोयला खदान नीलामी के 7वें और 6वें दौर का दूसरा प्रयास शुरू किया था। तारा कोयला खदान को वाणिज्यिक कोयला खदान नीलामी के 7वें दौर के तहत पेश किया गया था। हालांकि, सक्षम प्राधिकारी ने कोयला खदान को मौजूदा नीलामी प्रक्रिया से वापस लेने का फैसला किया है। तारा कोयला ब्लॉक हसदेव अरण्य वन क्षेत्र (सूरजपुर जिला) में है और कोयला खदान में 15.96 वर्ग किमी का बहुत घना जंगल क्षेत्र मौजूद है।

हाल ही में छत्तीसगढ़ सरकार ने पर्यावरणीय कारणों का हवाला देते हुए छत्तीसगढ़ में कुल 23 कोयला ब्लॉकों में से नौ कोयला ब्लॉकों को वाणिज्यिक खनन के लिए नीलामी से रोकने के लिए केंद्रीय कोयला मंत्रालय को एक पत्र लिखा था। इस पत्र में तारा कोयला ब्लॉक भी शामिल है। तारा छत्तीसगढ़ का एकमात्र कोयला ब्लॉक था जिसे 28 जून 2023 को कोयला मंत्रालय द्वारा जारी सूची के अनुसार बोलीदाता प्राप्त हुए थे।

तारा कोयला ब्लॉक के बोली लगाने वाले गुजरात खनिज विकास निगम, जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड और रायगढ़ नेचुरल रिसोर्सेज लिमिटेड शामिल थे। राज्य सरकार ने यह भी हवाला दिया था कि छत्तीसगढ़ वन और जलवायु परिवर्तन विभाग ने केंद्र सरकार से नौ कोयला ब्लॉक वापस लेने के लिए पर्यावरण को होने वाले नुकसान का हवाला दिया है।

ये हैं 9 कोयला ब्लॉक

इन नौ कोयला ब्लॉक में तारा (सूरजपुर जिला), करकोमा (कोरबा), कोइलर (रायगढ़), तेंदुमुड़ी (रायगढ़), जिल्गा बरपाली (कोरबा), बरपाली कलमी टिकरा (कोरबा), बटाटी कोलगा नॉर्थ ईस्ट (कोरबा), बटाटी कोलगा ईस्ट (कोरबा) और फतेहपुर दक्षिण (रायगढ़) शामिल हैं।

अनुसूचित जाति में शामिल होंगे महरा और महारा समुदाय के लोग, विधेयक को मिली मंजूरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

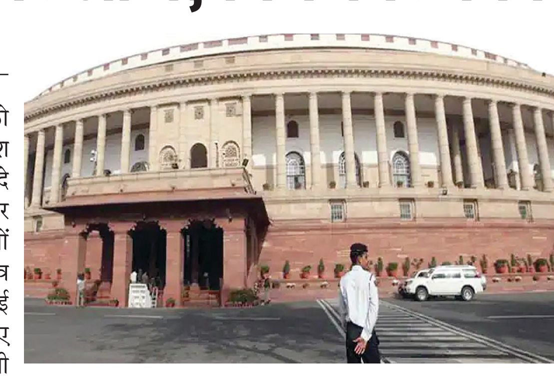

रायपुर। लोकसभा ने मंगलवार को 'संविधान अनुसूचित जातियां आदेश संशोधन विधेयक, 2023' को मंजूरी दे दी जिसमें छत्तीसगढ़ में महरा और महारा समुदायों को अनुसूचित जातियों की सूची में शामिल करने का प्रस्ताव किया गया है। विधेयक पर सदन में हुई संक्षिप्त चर्चा का जवाब देते हुए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति सहित समाज के आखिरी पायदान पर खड़े लोगों के लिए पिछले नौ वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने अनेक कदम उठाये हैं। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति की सूचियों में संशोधन करने की एक प्रक्रिया होती है। इसमें राज्यों से सिफारिशें आती हैं तथा इस पर कई स्तरों पर विचार करने के बाद प्रस्ताव केंद्रीय मंत्रिमंडल के समक्ष भेजा जाता है।

छत्तीसगढ़ में महरा तथा महारा समुदायों से संबंधित इस विधेयक के बारे में कुमार ने कहा कि इसके अमल में आने पर इन समुदाय के बच्चे मेडिकल, इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर सकेंगे और सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठा सकेंगे। मंत्री के जवाब के बाद सदन ने 'संविधान अनुसूचित जातियां आदेश संशोधन विधेयक, 2023' को मंजूरी दे दी। इस दौरान विपक्षी सदस्य मणिपुर के मुद्दे पर शोर-शराबा कर रहे थे।

इससे पहले, विधेयक पर संक्षिप्त चर्चा में हिस्सा लेते हुए भारतीय जनता पार्टी की संध्या राय ने कहा कि इस विधेयक को संविधान अनुसूचित जातियां आदेश 1950 में संशोधन करने के उद्देश्य से लाया गया। उन्होंने कहा कि इससे छत्तीसगढ़ के महरा तथ महारा समुदायों को लाभ होगा। चर्चा में हिस्सा लेते हुए वाईएसआर कांग्रेस की जी माधवी ने कहा कि यह विधेयक महत्वपूर्ण है और ऐसे कदम अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति वर्गों के सामाजिक, आर्थिक विकास के लिए अहम हैं। बहुजन समाज पार्टी की संगीता आजाद ने कहा कि यह विधेयक महत्वपूर्ण है लेकिन इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि इनका लाभ जमीन तक पहुंचे।

विधेयक के उद्देश्यों एवं कारणों में कहा गया है कि संविधान के अनुच्छेद 341 के खंड (1) के उपबंधों के अनुसार, अलग-अलग राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के संबंध में अनुसूचित जातियों से संबंधित छह राष्ट्रपतीय आदेश जारी किये गए थे। संविधान के अनुच्छेद 341 के खंड (2) के अधीन संसद के अधिनियमों द्वारा समय-समय पर इन आदेशों को संशोधित किया गया है। इसमें कहा गया है कि छत्तीसगढ़ राज्य सरकार ने अनुसूचित जातियों की सूची में महरा और महारा समुदायों को सम्मिलित करने का प्रस्ताव किया है।

भारत के महापंजीयक और राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने प्रस्ताव पर अपनी सहमति प्रदान कर दी है। इसमें कहा गया है कि उपरोक्त परिवर्तन को प्रभावी बनाने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य के संबंध में संविधान अनुसूचित जातियां आदेश 1950 में संशोधन करना आवश्यक है। विधेयक के वित्तीय ज्ञापन में कहा गया है कि विधेयक छत्तीसगढ़ राज्य में अनुसूचित जातियों की सूची में 'महरा' और 'महारा' समुदाय को सम्मिलित करने के लिए है।

जब गुरू हो जाये छिछोरा

श्रीकंचनपथ

वैसे तो अपना देश टांग खींचने की अपनी प्रवृत्ति के लिए विश्व प्रसिद्ध है पर जो कुछ इन दिनों भिलाई में हो रहा है, वह शिष्यों के प्रति अक्षम्य अपराध है. अकसर सुनने में आता है कि आज के शिष्य गुरू का सम्मान नहीं करते। 90 के दशक तक के बच्चे सार्वजनिक स्थलों पर भी गुरुओं के पैर छूते थे और आज बाजू से निकल जाते हैं। शिष्यों के मनोभाव में आए इस परिवर्तन के लिए कोई पश्चिमी संस्कृति को कोसता है तो कोई टीवी और इंटरनेट को। ऐसे लोग दरअसल, खुद को धोखा दे रहे हैं। गुरू तो गुरू रहे ही नहीं। व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा, अपने श्रेष्ठ होने का अहंकार और असुरक्षा की भावना ने कथित गुरुओं को कहीं का नहीं छोड़ा है। शिक्षा रोजगार का, स्वरोजगार का साधन बने, इसमें कोई बुराई नहीं है। शिक्षा भी एक पेशा है। शिक्षक के भी बाल-बच्चे और परिवार हैं। पर शिक्षक यदि विद्यार्थी के ज्ञानार्जन में बाधा बने, उसे प्रतिस्पर्धी होने से रोके तो इसे क्या कहा जाए? जहां तक परफॉर्मिंग आर्ट्स का सवाल है तो गुरू इस शर्त पर विद्यार्थी को शिक्षा देते हैं कि वह गुरू के जीते-जी उसी शहर में गुरू नहीं बनेगा। दूसरी शर्त यह होती है कि उसकी इजाजत के बिना वह किसी प्रतियोगिता में भाग नहीं लेगा। जहां तक प्रतियोगिताओं का सवाल है, गुरू वहीं अपने शिष्य को लेकर जाते हैं जहां या तो वो खुद निर्णायक होते हैं या निर्णायक उनका विश्वासपात्र होता है। दो चार पुरस्कारों की गारंटी करने के बाद ही वह प्रतियोगिता में शामिल होता है। यह किस तरह की शिक्षा है जो विद्यार्थी को आगे बढ़ने से रोकती है? दरअसल, यह गोरखधंधा अब तक केवल इसलिए चल रहा था कि विद्यार्थियों के पास सीखने के तो कई विकल्प थे पर इन गुरुओं के पास गए बिना औपचारिक शिक्षा और सर्टिफिकेशन का कोई रास्ता नहीं था। एशिया के प्रथम संगीत एवं कला विश्वविद्यालय में इनकी तूती बोलती थी। इस विश्वविद्यालय की स्थापना 1956 में खैरागढ़ रियासत के तत्कालीन शासक राजा बीरेंद्र बहादुर सिंह एवं उनकी पत्नी रानी पद्मावती ने अपनी बेटी राजकुमारी 'इंदिरा' को श्रद्धांजलि के रूप में की थी। इसके लिए उन्होंने अपना पैतृक महल दान कर दिया था। जिस सद-उद्देश्य से इस महल का दान किया गया वह समय के साथ ऐसे स्वार्थी गुरुओं का चलते धूमिल होने लगा। टेलीविजन रियालिटी शो के चलते इन दिनों संगीत और नृत्य की मांग में अभूतपूर्व तेजी आई है। भिलाई के बच्चे भी इन प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर नाम कमा रहे हैं। पर इसके लिए उन्हें विद्रोह करना पड़ रहा है। यह और बात है कि उनके सफल होने पर श्रेय लेने के लिए गुरुओं की कतार लग जाती है। दरअसल, वो इसलिए भी डरे हुए हैं कि विश्वविद्यालय ने इसी सत्र से तीन शासकीय महाविद्यालयों में परफॉर्मिंग आर्ट्स की कक्षाओं को अनुमति दे दी है। अब इनका एकाधिकार खत्म होने वाला है।

संपादकीय

जातिगत-गणना

बिहार में जातिगत-गणना पर रोक लगाने संबंधी तमाम याचिकाओं को खारिज करते हुए पटना उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को इस दिशा में आगे बढ़ने की इजाजत दे दी है। गौरतलब है, बिहार सरकार ने जनवरी 2023 से राज्य में जातियों के सर्वेक्षण की कवायद शुरू की थी और इस काम को मई तक पूरा भी हो जाना था, पर इसके खिलाफ याचिकाएं दायर होती गईं और न्यायालय ने अपीलकर्ताओं की चिंताओं को देखते हुए सुनवाई होने तक इस कवायद पर अंतरिम रोक लगा दी थी। हालांकि, तब तक सर्वे का प्रथम चरण पूरा भी हो गया था। जाहिर है, उच्च न्यायालय ने तो याचिकाओं की सुनवाई के बाद कानून के दायरे में अपना फैसला दिया है, पर राजनीति के लिहाज से इसके अर्थ गहरे हैं। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि जो सियासी हस्तियां नीतीश सरकार की इस मुहिम की आलोचना कर रही थीं या जिन दलों के समर्थक तत्वों ने जातिगत-सर्वे को रुकवाने के लिए न्यायालय में आधा दर्जन याचिकाएं डाली थीं, वे भी अब आगे बढ़कर अदालती फैसले और इस सर्वेक्षण के हक में बातें कर रहे हैं।

“ विपक्षी पार्टियों का महागठबंधन (इंडिया) पहले ही राष्ट्रीय स्तर पर जातिगत गणना को अपना एक अहम मुद्दा घोषित कर चुका है। ऐसे में, आने वाले दिनों में धर्म और जाति के नाम पर गोलबंदी का नया दौर शुरू हो सकता है। मगर इस राजनीति की विडंबना यह है कि यह सामाजिक जकड़बंदी को ढीला करने के बजाय उसे और मजबूत करती है।

इस तथ्य से कोई इनकार नहीं कर सकता कि सत्ता-प्रतिष्ठानों के लिए किसी भी योजना की रूप-रेखा तैयार करने और उसके सफल क्रियान्वयन में प्रामाणिक आंकड़ों का सबसे अहम रोल होता है। सटीक आंकड़ों से न सिर्फ लक्षित आबादी के कल्याण की राह निष्कंटक हो सकती है, बल्कि राज्य के संसाधनों का अधिकतम सदुपयोग हो सकता है। अब तक विभिन्न तरह की जो गणनाएं हुई हैं, उनमें कई तरह की खामियां उजागर होती रही हैं। जैसे, अन्य पिछड़ा वर्ग को आरक्षण तो दे दिया गया, मगर उनकी आबादी का ठोस आंकड़ा नहीं है। बिहार सरकार की सबसे बड़ी चुनौती इस पूरी कवायद में पारदर्शिता की है। वैसे, मौजूदा दौर में पारदर्शिता सुनिश्चित करने में कोई परेशानी होनी नहीं चाहिए। कमोबेश तकनीकी तरक्की गांव-गांव तक पहुंच चुकी है और फिर अधिकतम लोगों के पास आधार कार्ड आदि के रूप में पुख्ता पहचान-पत्र है। ऐसे में, दोहराव की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। आशा है, इससे बिहार की एक मुकम्मल प्रामाणिक सामाजिक तस्वीर हमारे सामने होगी। इस कवायद के मूल में सामाजिक उत्थान के साथ-साथ राजनीतिक हित-साधन भी एक बड़ा मकसद है और बिहार में महागठबंधन सरकार इसका श्रेय लेने की पूरी कोशिश करेगी। विपक्षी पार्टियों का महागठबंधन (इंडिया) पहले ही राष्ट्रीय स्तर पर जातिगत गणना को अपना एक अहम मुद्दा घोषित कर चुका है। ऐसे में, आने वाले दिनों में धर्म और जाति के नाम पर गोलबंदी का नया दौर शुरू हो सकता है। मगर इस राजनीति की विडंबना यह है कि यह सामाजिक जकड़बंदी को ढीला करने के बजाय उसे और मजबूत करती है। हमारे पुरखों ने तो सोचा यही था कि भारतीय नागरिकों को इतनी अधिक सामाजिक आजादी हासिल होगी कि उन्हें विशेष प्रावधानों की जरूरत ही न रहे, मगर राजनीति ने जाति व आरक्षण को पहचान से इस कदर जोड़ दिया है कि अब इससे निकट भविष्य में छुटकारा संभव नहीं दिखता। ऐसे में, पटना उच्च न्यायालय के फैसले के बाद अब देश के दूसरे प्रदेशों में भी जातिगत-गणना की मांग बढ़ेगी और केंद्र सरकार के लिए मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं, क्योंकि वह जातियों-उपजातियों की जटिलताओं को हवाला देकर इससे बचती रही है। नियमित जनगणना तो पहले ही दो साल पीछे हो चुकी है, अब इस बहाने वह कहीं और न टल जाए।

सिटी स्मार्ट में अवरोध

भारत में स्मार्ट सिटीज मिशन की शुरुआत जून 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की थी। इस मिशन के तहत देश भर के सौ शहरों को चुना गया और बताया गया था कि वहां आधुनिक आधारभूत ढांचा विकसित करके उन्हें एक साफ-सुथरे पर्यावरण वाला नगर बनाया जाएगा। सरकार ने इसके लिए शुरुआती तौर पर 22 अरब डॉलर से ज्यादा की रकम आवंटित की थी। लेकिन अब आठ साल बाद हुए आकलन से सामने आया है कि ये महत्त्वाकांक्षी योजना अपने घोषित मकसद के मुताबिक आगे नहीं बढ़ पाई है। भारत के अधिकांश शहर आज भी बाहर से आने वाले श्रमिकों की बढ़ती संख्या के कारण भारी दबाव में हैं। सरकारी आंकड़ों पर गौर करें, तो उनमें दावा किया गया है कि तय परियोजनाओं में से करीब 73 फीसदी पूरी हो चुकी हैं। लेकिन एक गैर-सरकारी संस्था सेंटर फॉर फाइनेंशियल अकाउंटेबिलिटी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि परियोजनाएं देर से चल रही हैं। इनके बीच कुछ शहरों का रिकॉर्ड तो अच्छा है, लेकिन अन्य शहरों का प्रदर्शन खराब रहा है।

यह विषमता की झलक इन परियोजनाओं के लिए दिए गए धन के उपयोग में भी देखी जा सकती है। यहां ये बात अवश्य ध्यान में रखनी चाहिए कि आरंभ में स्मार्ट सिटी मिशन को 2020 तक पूरा कर लेने की उम्मीद जताई गई थी। ये बात सही है कि 2020 से कोरोना महामारी का कहर टूट पड़ा। इसे देखते हुए परियोजना को पूरा करने का लक्ष्य 2023 तक बढ़ा दिया गया। अब कई शहरों में इस समयसीमा को एक बार फिर से बढ़ाकर इसे जून 2024 तक खिसका दिया है। इस बीच मुंबई सहित कई शहरों ने राजनीतिक असहमति के कारण परियोजना से बाहर निकलने का फैसला भी कर लिया। बेशक परियोजना का मकसद अच्छा था। भारतीय शहर एक तरह की अराजकता के शिकार हैं, जिन्हें नियोजित करने की बेहद जरूरत है। शहरों के बुनियादी ढांचे को जलवायु के अनुकूल और टिकाऊ बनाना, किफायती आवास मुहैया कराना, पर्याप्त बिजली-पानी और प्रभावी कचरा प्रबंधन जैसी सुविधाएं प्रदान करना- ऐसे लक्ष्य हैं, जिन्हें जल्द से जल्द पूरा किया जाना चाहिए। मगर असल सवाल अमल का है, जिसमें बात कहीं पिछड़ गई है।

दोनों सदनों में विपक्ष को हराएगी सरकार

संसद में मानसून सत्र में दोनों सदनों में नरेंद्र मोदी सरकार और विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के बीच शक्ति परीक्षण की तैयारी है और दोनों सदनों में विपक्ष को हराएगी सरकार। यह स्थिति खुद विपक्षी पार्टियों ने बनाई है, जिससे उनको कुछ भी हासिल नहीं होने वाला है। फिर भी यह संसदीय प्रक्रिया है, जिसके तहत लोकसभा में विपक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव पेश किया है, जिस पर इस हफ्ते चर्चा होगी। फिर प्रधानमंत्री जवाब देंगे और तब उस पर वोटिंग होगी। दूसरी ओर राज्यसभा में इसी हफ्ते दिल्ली का सेवा बिल पेश होगा। लोकसभा से पास होने के बाद इसे उच्च सदन में रखा जाएगा, जहां विपक्षी गठबंधन ने सरकार के साथ शक्ति परीक्षण की तैयारी की हुई है।

पहले अविश्वास प्रस्ताव पर बात करें तो सबको पता है कि उसमें क्या होना है। लोकसभा में सरकार के पास प्रचंड बहुमत है। मोदी सरकार को अपना बहुमत साबित करने के लिए किसी दूसरी पार्टी की भी जरूरत नहीं है। लोकसभा की पांच सीटें खाली हैं इसलिए बहुमत का आंकड़ा 270 सीट का है, जबकि भाजपा के अपने सांसदों की संख्या 301 है। उसकी सहयोगी पार्टियों की संख्या में इसमें जोड़ दी जाए तो आंकड़ा 331 तक पहुंच जाता है। सो, विपक्ष को अगर कुछ हासिल होना है तो वह बहस से होगा, आंकड़ों में तो कोई मुकाबला नहीं है। इसके बाद दिल्ली का सेवा बिल राज्यसभा में पेश होगा। इसके लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल ने बड़ी मेहनत की है।

“ ऐसी हिंसा का दंश कोई एक व्यक्ति या परिवार नहीं भोगता, पूरा समाज इस घाव की टीस महसूस करता है। जिस परिवार का कोई अपना हिंसा में जान गंवाता है, उसके लिए तो यह जीवन भर का दुख होता है। इतना ही नहीं, इससे एक तरह का सामाजिक खौफ भी पैदा होता है। जो व्यक्ति किसी अपने को दंगे में खोता है, उसे हमेशा खोने का डर बना रहता है। यह खौफबाद में कभी खत्म न होने वाला दुख बना जाता है।

कहीं क्यों टूटता है सामाजिक ताना-बाना

बद्री नारायण, निदेशक, जीबी पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान

कभी पश्चिम बंगाल, कभी महाराष्ट्र, तो कभी हरियाणा, देश के विभिन्न कोनों से हिंसा की खबरें आती रहती हैं। आखिर ऐसा क्यों होता है? भारतीय समाज, जिसे अपेक्षाकृत शांत माना जाता है, वह वक्त-बेवक्त यूं आक्रामक क्यों होने लगा है? दरअसल, जब भी किसी समाज में संवाद की कमी हो जाती है, तो उसमें तनाव बढ़ जाता है, जो बाद में हिंसा के रूप में सार्वजनिक होता है। संवाद के लिए जरूरी है, अनुकूल सामाजिक माहौल का कायम रहना। इसमें आपसी विश्वास की भी दरकार होती है। जब ये सब चीजें छीजने लगती हैं, तो हिंसा के लिए जमीन तैयार होने लगती है। हरियाणा के मेवात में अभी जो कुछ हो रहा है, उसका कारण भी यही सब है।

सांप्रदायिक हिंसा अथवा तनाव की दूसरी वजह है, समाज का जड़ होते जाना। जो समाज जितना अधिक लचीला होता है, उसमें संवाद की गुंजाइश उतनी अधिक होती है। समाज के अनुदार होते ही वह रूढ़ होने लगता है, जिसमें अस्मिता भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हाल-फिलहाल तक हम अस्मिता को 'इम्पावरिंग एजेंसी' मानते रहे हैं, यानी यह लोगों को सशक्त बनाने में मददगार मानी जाती रही है, पर अब यह 'कॉन्टेस्टिंग एजेंसी', यानी प्रतिस्पर्द्धा बढ़ाने वाला कारक बनती जा रही है। इससे सामाजिक समरसता खत्म होने लगी है। मणिपुर में आज जो कुछ हो रहा है, उसका कारण यही अस्मिता का संकट है। कुकी और मैतेई, दोनों समुदायों के लोग अपनी-अपनी अस्मिता की रक्षा के लिए लड़ रहे हैं। इसके लिए उन्हें शासन में पर्याप्त जगह और सत्ता में उचित भागीदारी चाहिए।

सामाजिक असुरक्षा के कारण भी लोगों में तनाव पैदा होता है। यह अविश्वास बढ़ाने का एक प्रमुख कारक है, और जब अविश्वास बढ़ता है, तब तनाव व हिंसा के लिए जगह बनने लगती है। अस्मिताओं का रूढ़ होना भी सामाजिक असुरक्षा बढ़ाता है। यही कारण है कि पहचान अथवा अस्मिता को लचीला बनाने के प्रयास किए जाते हैं। अस्मिता की राजनीति करने वालों के लिए यह बहुत जरूरी है कि वे अस्मिता के प्रति लोगों की कट्टरता को कम करने का भी काम करें। सामाजिक असुरक्षा की स्थिति में यह दायित्व प्रशासन का है कि वह तनाव को जन्म देने वाली स्थितियों का दमन करे।

हमें सामाजिक बहाव को भी जड़ होने से रोकना होगा। अगर सामाजिक रिश्ते उदार होते हैं, तो वे लोगों को आपस में जोड़ने का काम करते हैं। मगर इस रिश्ते का अनुदार होना सामाजिक संघर्ष के लिए खाद-पानी का काम करता है। फिर, सामाजिक असुरक्षा, संवाद की कमी, आपसी अविश्वास, अस्मिता का संकट आदि सब मिलकर नकारात्मक माहौल पैदा करते हैं और सामाजिक ताने-बाने को तोड़ देते हैं। सांप्रदायिक हिंसा कोई अपवाद नहीं है। इसके लिए भी अनवरत एक माहौल बनता रहता है।

ऐसी हिंसा का दंश कोई एक व्यक्ति या परिवार नहीं भोगता, पूरा समाज इस घाव की टीस महसूस करता है। जिस परिवार का कोई अपना हिंसा में जान गंवाता है, उसके लिए तो यह जीवन भर का दुख होता है। इतना ही नहीं, इससे एक तरह का सामाजिक खौफ भी पैदा होता है। जो व्यक्ति किसी अपने को दंगे में खोता है, उसे हमेशा खोने का डर बना रहता है। यह खौफ बाद में कभी खत्म न होने वाला दुख बना जाता है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि हिंसा की चपेट में जो लोग नहीं आते, वे इससे प्रभावित नहीं होते। उन पर सामाजिक सरंचना के दरकने का असर होता है। चूंकि ऐसी हिंसा में समाज टूटता है, इसलिए सामाजिक तनाव के बीच अपनों को खोने के खौफ में वे जीने को अभिशप्त रहते हैं। समाज तो इससे लंबे समय तक कराहता रहता है।

बेशक, हिंसक घटनाएं अथवा दंगे क्षणिक होते हैं और कुछ समय के बाद थम जाते हैं, लेकिन उनका प्रभाव बरसों तक बना रहता है, लोग मानसिक तौर पर इससे बाहर नहीं निकल पाते। इससे समुदायों के बीच में इतनी दूरियां पैदा हो जाती हैं कि उसे भरने में बरसों-बरस लग सकते हैं। कभी-कभी तो ऐसा लगता है कि इसकी भरपायी संभव ही नहीं है।

इसीलिए, हिंसा पर जल्द से जल्द काबू पाने और तनाव के कारकों को दूर करने की वकालत की जाती है, ताकि सामुदायिक विश्वास पटरी पर लौट सके। इसके लिए अस्मिताओं में बहाव का बना रहना जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तो बार-बार सामाजिक खुशी की बात कहते हैं। यह दरअसल उसी सामाजिक समरसता की देन है, जिसकी कमी समाज में तनाव अथवा हिंसा पैदा करती है। यहां संसाधन के महत्व को भी दरकिनार नहीं किया जा सकता। संसाधन का एक रूप रोजगार भी है। जब लोगों के पास काम-धंधे होते हैं और वे अपनी मुश्किलों से लड़ने में खुद को सक्षम पाते हैं, तो उनमें असुरक्षा-बोध पनप नहीं पाता। इससे आपसी तनाव भी पैदा नहीं होता। इसीलिए यहां समुदायों के स्थानीय नेताओं की भूमिका काफी अहम हो जाती है। वे लोगों को आपस में जोड़ने की कड़ी होते हैं। वे अपने लोगों के सुख-दुख में साथ होते हैं, इसलिए उनको समाज में एक अलग प्रतिष्ठा मिली होती है। इसका लाभ तनाव कम करने में मिलता है। साहित्यकारों अथवा रचनाकारों का कद भी सामुदायिक नेतृत्वकर्ताओं से कम नहीं होता, अलबत्ता कई मामलों में तो ज्यादा ऊंचा ही रहता है। चूंकि साहित्य में सामाजिक तनावों के दर्द को बखूबी जगह मिलती है, इसलिए इससे एक अलग माहौल बनता है। भारतीय साहित्य में ऐसे कई उपन्यास हैं, जिनका मूल कथ्य सामाजिक तनाव है। ऐसे में, साहित्यकारों की मदद भी ऐसी हिंसा को रोकने में ली जा सकती है। वे 'ओपिनियन मेकर' की तरह काम करते हैं और समाज में अपनी विशेष प्रतिष्ठा होने के कारण लोगों को जोड़ने में मददगार साबित होते हैं।

कबीर गाया करते थे, झीनी-झीनी बीनी चदरिया। समाज भी चदरिया की तरह ही है, जिसको बड़े जतन और बड़े होश से बुनना चाहिए। राष्ट्र या राज्य ऐसी व्यवस्था बनाता है, जिससे तनाव दब सकता है, लेकिन तनावपूर्ण माहौल को समरस सामाजिकता में बदलने के लिए समुदायों के नेता, साहित्यकार जैसे 'आइकॉन' ही कारगर साबित होते हैं। हमें इसी रणनीति के तहत सांप्रदायिक तनावों का समाधान करना चाहिए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

भारत लौटने लगी हमसे लूटी गई सांस्कृतिक धरोहर

अनिल बलूनी, सांसद और मीडिया प्रभारी, भाजपा

भारत की सांस्कृतिक विरासत अनुपम, अद्भुत और बहुआयामी है, जिस पर देश के हर नागरिक को गर्व है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की महान सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और उसे संव्द्धिधत करने का बेहतरीन कार्य किया है। प्रधानमंत्री की ऐतिहासिक अमेरिका यात्रा के दौरान अमेरिका ने भारत से तस्करी करके लाई गई सांस्कृतिक व ऐतिहासिक महत्व की 105 मूर्तियों एवं कलाकृतियों को वापस लौटाने का फैसला लिया। इनमें से 12वीं सदी की दो मूर्तियां- भगवान शिव की लिंगोधभवमूर्ति और बोधिसत्व मंजूश्री की मूर्ति- भारत पहुंच भी गई हैं।

भले ही ये समाचार सुर्खियां न बन पाए हों, पर इनका महत्व बहुत अधिक है। 2014 से पहले आए दिन देश के विभिन्न भागों से भारतीय कलाकृतियों, दुर्लभ प्रतिमाओं और पुरावशेषों की चोरी, तस्करी की खबरें सुनाई देती रहती थीं। साल 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आते ही इस दिशा में तेजी से प्रयास शुरू किए। गौर कीजिए, 1976 से 2013 तक विदेश से सिर्फ 13 प्राचीन प्रतिमाएं लाई गईं, जबकि प्रधानमंत्री मोदी के नौ वर्षों के कार्यकाल में देश ने 351 से अधिक प्रतिमाओं एवं भारतीय पुरावशेषों को पुनः प्राप्त किया है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से 15 अगस्त, 2022 को देश के नागरिकों से 'पंच प्रण' का आह्वान किया, तब उसमें एक प्रण 'अपनी विरासत पर गर्व करना' भी था। पिछले मई महीने में ही प्रगति मैदान में अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय एक्सपो 2023 का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री ने प्राचीन भारतीय कलाकृतियों की तस्करी व विनियोग का मुद्दा उठाया और देश की ऐतिहासिक वस्तुओं और विरासत के संरक्षण को सरकार की प्राथमिकता बताया। 27 फरवरी, 2022 को मन की बात में भी उन्होंने देश से चोरी की गई मूर्तियों की चर्चा की और कहा कि इन मूर्तियों को वापस लाना भारत मां के प्रति हमारा दायित्व है। प्रधानमंत्री के अथक प्रयासों के कारण अमेरिका, ब्रिटेन, हॉलैंड, फ्रांस, कनाडा, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया और जर्मनी जैसे कितने ही देशों ने भारत की अपनी विरासत के संरक्षण, संवर्द्धन की भावना को समझा है।

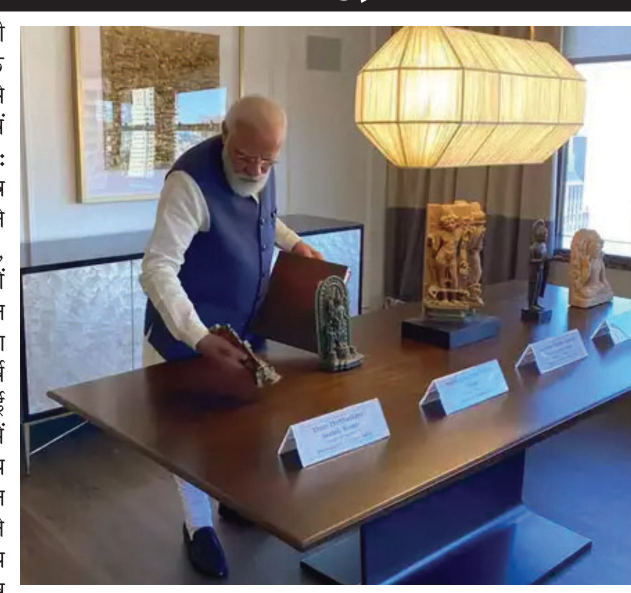

प्रधानमंत्री मोदी ने 29 नवंबर, 2020 को अपने कार्यक्रम मन की बात में देश के लोगों को 18वीं शताब्दी वाली मां अन्नपूर्णा की प्रतिमा कनाडा में मिलने की जानकारी दी थी, जो 100 साल पहले वाराणसी से चोरी हो गई थी। उनके अथक प्रयासों से 2021 में इस प्रतिमा को वापस लाया गया। यह प्रधानमंत्री के प्रयासों का ही सुपरिणाम है कि 10वीं शताब्दी की दुर्लभ नटराज की प्रतिमा लंदन से इसी वर्ष जनवरी में वापस लाई गई। यूपीए सरकार के दौरान चोरी हुए खजुराहो के संग्रहालय से पैरेट लेडी पुरातत्व महत्व की मूर्ति को हमारे प्रधानमंत्री कनाडा से लेकर आए। वेल्लुर के विष्णु मंदिर से चोरी भगवान आंजनेय्यर, हनुमान जी की 600-700 साल पुरानी कांस्य प्रतिमा, इटली से अवलोकितेश्वर पद्मपाणि की हजार साल से भी ज्यादा पुरानी प्रतिमा और संत कवि माणिककविचावाकर की लगभग 1000 साल पुरानी मूर्ति भी भारत वापस लाई गई। वापस आई ऐसी मूर्तियों की एक लंबी सूची है।

बीते नौ वर्षों में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में अनुच्छेद 370 का उन्मूलन, श्रीराम मंदिर का निर्माण, तीन तलाक पर प्रतिबंध, आतंकवाद पर सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक, पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना जैसे कई ऐतिहासिक कार्य हुए हैं, पर लाल बत्ती संस्कृति की समाप्ति, पुराने व अर्थविहीन कानूनों का निरस्तीकरण और देश से चोरी हुए अमूल्य कलाकृतियों, धरोहरों की घर वापसी भी हुई है, जो प्रधानमंत्री को सबसे अलग खड़ा कर देती है।

हमारे प्रधानमंत्री न केवल दुर्लभ कलाकृतियों को वापस ला रहे हैं, बल्कि देश में इनके रखरखाव के लिए कदम उठा रहे हैं। यही नहीं, देश के महत्व की चीजों के संरक्षण के लिए संग्रहालयों का भी निर्माण करा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने देश के नागरिकों से अपील की है कि क्यों ना भारत में हर परिवार अपने घर में अपना एक पारिवारिक संग्रहालय बनाए? यह अपनी विरासतों को संजोने में एक महत्वपूर्ण कदम हो सकता है। आइए, हम भारत की महान विरासत के संरक्षण की इस मुहिम में एकजुट हों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्पों को मजबूती दें।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

जनजातीय लोक संस्कृति को मिली देश-दुनिया में नई पहचान

ओम प्रकाश डहरिया, सहायक जनसंपर्क अधिकारी

थाईलैंड के युवा कलाकार एक्कालक नूनगोन थाई ने राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के आयोजन के लिए छत्तीसगढ़ सरकार की सराहना करते हुए कहा था कि जनजाति समुदाय की अपनी कला, संस्कृति होती है, इसकी पहचान आवश्यक है। जनजाति समुदाय एक कस्बे या इलाकों में निवास करते हैं, ऐसे में उनकी कला, संस्कृति की पहचान एक सीमित क्षेत्र में सिमट कर रह जाती है। जनजाति समाज की कला और संस्कृति के संरक्षण में ऐसे आयोजनों की बड़ी भूमिका है। बेलारूस की सुश्री एलिसा स्टूकोनोवा ने कहा था कि यह उसका सौभाग्य है कि वह छत्तीसगढ़ आई। उसे छत्तीसगढ़ के कलाकारों की प्रस्तुति देखकर अहसास हुआ कि यहां की संस्कृति, जीवन में कितनी विविधताएं हैं।

छत्तीसगढ़ में मेला, उत्सव व महोत्सव लोक परंपरा का एक अंग हैं। वहीं राज्य की लोक संस्कृति एवं आदिवासी एक-दूसरे के पर्याय हैं। यहां के वन और सदियों से निवासरत आदिवासी राज्य की विशेष

पहचान रहे हैं। प्रदेश के लगभग आधे भू-भाग में जंगल है, जहां मेला-महोत्सव के जरिए छत्तीसगढ़ की गौरवशाली आदिम संस्कृति फूलती-फलती रही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में राज्य सरकार ने राज्य की आदिम संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के साथ ही इसे विश्व स्तर पर पहचान दिलाने का बीड़ा उठाया और छत्तीसगढ़ में वृहद स्वरूप में राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का सफल आयोजन किया गया। राज्य में आयोजित आदिवासी नृत्य महोत्सव महज राष्ट्रीय नहीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप ले लिया, इससे छत्तीसगढ़ की आदिम लोक संस्कृति को देश-दुनिया में एक नई पहचान मिली है।

छत्तीसगढ़ में निवासरत जनजातियों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत रही है, जो उनके दैनिक जीवन, तीज-त्यौहार, धार्मिक रीति-रिवाज एवं परंपराओं के माध्यम से अभिव्यक्त होती है। बस्तर के जनजातियों की घोटुल प्रथा प्रसिद्ध है। जनजातियों के प्रमुख नृत्य गौर, कर्मा, ककसार, शैला, सरहुल और परब जन-जन में लोकप्रिय हैं। जनजातियों के पारंपरिक गीत-संगीत, नृत्य, वाद्य यंत्र, कला एवं संस्कृति को बीते पांच सालों में सहेजने-संवारने के साथ ही छत्तीसगढ़ सरकार ने विश्व पटल पर लाने का सराहनीय प्रयास किया है। अंतर्राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का भव्य आयोजन इसी प्रयास की एक कड़ी है।

छत्तीसगढ़ की संस्कृति का दर्शन कराने के साथ ही जीवन की कई चुनौतियों से लड़ने और विषम परिस्थितियों में जीवन यापन करने की प्रेरणा और संदेश देने वाले आदिवासी समाज के नृत्य, संगीत और गीत राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के माध्यम से देशभर के लोगों एवं विदेशी कलाकारों को जुड़ने का अवसर दिया। इस महोत्सव में देशभर के अलग-अलग राज्यों से कलाकार, जनजाति समाज सहित अन्य परिवेश के नृत्यों की रंगारंग प्रस्तुतियां देखने-सुनने को मिली। छत्तीसगढ की प्राचीन और समृद्धशाली लोक संस्कृति व नृत्य ने विशिष्ट छाप छोड़ी । रायपुर के साइंस कालेज मैदान में होने वाले इस समारोह में आदिवासी नृत्य के साथ गीत एवं पारम्परिक वेशभूषाओं में एक से बढ़कर एक वाद्ययंत्रों के कर्णप्रिय धुनों की जुगलबंदी के बीच छत्तीसगढ़ ही नहीं देश के अन्य राज्यों की जनजाति संस्कृति का संगम एवं उनकी जीवंत प्रस्तुति भी देखने को मिली।

वर्ष 2019 में पहली बार हुए इस आयोजन में कलाकारों को मंच देकर छत्तीसगढ़ सरकार ने जनजाति संस्कृति को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की पहल की। इस आयोजन का दर्शकों ने लुफ्त उठाया और कलाकारों ने इस मंच के माध्यम से आदिवासी संस्कृति को प्रसिध्दि दिलाई। आदिवासियों को जब राष्ट्रीय स्तर के आयोजन में पहली बार मंच मिला तो वे स्व-रचित गीत, अनूठे वाद्य यंत्रों की धुन और आकर्षक वेशभूषा, आभूषण में सज धजकर नृत्य कला का प्रदर्शन, प्रस्तुतियों को देखने वाले दर्शक आज भी उन्हें भूल नहीं पाते। विगत 3 साल से आयोजित हो रहें। इस महोत्सव में युगांडा, बेलारूस, मालदीव, श्रीलंका, थाईलैंड, बांग्लादेश सहित एक दर्जन देशों से आए विदेशी कलाकार भी शामिल हुए। इसके अलावा 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लगभग 5000 से अधिक कलाकारों ने भी भाग लिया।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

ADMISSION OPEN
COMMERCE GURU
12th CLASS
REGULAR STUDENT
GET CLASS 11th SYLLABUS CLASSES for FREE
APPLY NOW

www.commerceguru.in @commerceguru
commerceguru2011@gmail.com
35,Gourav Path, Sundar Nagar,Bhilai
+91 9644454810
+91 8103338634

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

कलेक्टर ने दिव्यांग संजय एवं हेमेन्द्र को मोटराइज्ड ट्राई साइकिल प्रदान किया

महासमुंद। जिला मुख्यालय महासमुंद के दिव्यांग संजय कुमार भोई, ग्राम पचेड़ा के हेमेन्द्र कुमार गायकवाड़ को कलेक्टर प्रभात मलिक ने मोटराइज्ड ट्राई साइकिल (बैटरी चलित) की चाबी सौंपी। कलेक्टर ने दोनों से चर्चा कर उनके कामकाज के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने दिव्यांगों को जरूरत और आवश्यकता मुताबिक मोटराइज्ड ट्राई साइकिल का तकनीकी ज्ञान और प्रशिक्षण देने कहा तथा समय-समय पर बैटरी चार्ज और अन्य तकनीक के बारे में जानकारी लेने की बात भी कही। कलेक्टर के हाथ से ट्राई साइकिल पाकर वे दोनों बहुत खुश हैं। उन्होंने बताया कि अब वह अपने गांव-शहर में कहीं भी आ जा सकते है। पहले आने-जाने के लिए परिजन या किसी व्यक्ति का सहारा लेना पड़ता था। मोटराईज्ड ट्रायसायकल मिल जाने से अब उन्हें आसानी से अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार करने और अपने पैरों पर खड़ा होने का अवसर मिला है। समाज कल्याण विभाग के उप संचालक मती संगीता सिंह ने बताया कि दोनों दिव्यांग 80 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग हैं, इसलिए ऑटोमेटिक ट्रायसायकल समाज कल्याण विभाग द्वारा दी गई है। ताकि वे अपने रोजमर्रा के काम सरलता से कर सकें। उन्होंने बताया कि मोटराइज्ड ट्राई साइकिल (बैटरी चलित) आज कलेक्टर के हाथों से उपलब्ध करायी गयी है। ताकि ये अपना रोजगार कर अपना जीवन यापन कर सकें।

जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक आयोजित

बालोद। जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक आज कलेक्टर कुलदीप शर्मा की अध्यक्षता में संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में जल जीवन मिशन के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की कार्य योजना, निविदा, कार्यादेश, 03 निविदाओं की दर स्वीकृति, 03 माह से अधिक समय में कार्य प्रारंभ नहीं करने वाले 05 कार्यादेश निरस्त करने, 02 निविदा जिसमें से 01 एकल निविदा और एक कोई भी फर्म पात्र नहीं होने के कारण निरस्त करने का अनुमोदन, जल जीवन मिशन के भुगतान का अनुमोदन, जिला प्रयोगशाला हेतु आवश्यक उपकरण स्पेक्ट्रोमीटर एवं केमिकल ग्लासवेयर डिमोलिशिंग सीसी कार्य एवं कंपोजिट प्रेशर पाइप के लिए प्रशासकीय स्वीकृति, कॉल मी सर्विस रायपुर की अनुबंध की अवधि बढ़ाने, आईएसए के कार्यादेश निरस्त करने, 02 नवीन पंचायतों का डीपीआर विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में जिला पंचायत की सीईओ डॉ. रेणुका वास्तव, जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता, जिला चिकित्सा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला जनसंपर्क अधिकारी एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

आम जनता को निरोगी रखने के लिए समाज कल्याण विभाग प्रतिबद्ध : श्रीमती भेंड़िया

- छत्तीसगढ़ में योग के 700 मास्टर ट्रेनर हुए तैयार
- दुर्ग संभाग के 240 प्रशिक्षार्थियों ने लिया योग शिविर में भाग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। समाज कल्याण मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया के मुख्य आतिथ्य में फुंडहर स्थित योग भवन रायपुर में सात दिवसीय संभागीय नि:शुल्क योग शिविर का समापन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा ने की। विशेष अतिथि के रूप में योग आयोग के सदस्य रविंद्र सिंह ठाकुर एवं राजेश नारा उपस्थित थे। श्रीमती भेंड़िया ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया। शिविर में दुर्ग जिले के 240 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। छत्तीसगढ़ में 700 मास्टर ट्रेनर्स तैयार किए जा चुके हैं।

श्रीमती भेंड़िया ने कहा कि योग जीवन का अनिवार्य अंग बन गया है। योग करने से हम शारीरिक, मानसिक सभी प्रकार की बीमारियों से छुटकारा पा सकते हैं। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के मार्गदर्शन में योग आयोग के अध्यक्ष श्री ज्ञानेश शर्मा लगातार योग के प्रचार-प्रसार और योग प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से छत्तीसगढ़ में स्वस्थ जीवन-शैली और दिनचर्या को बढ़ावा दे रहे हैं। इससे छत्तीसगढ़ योग आयोग ने अपनी विशेष पहचान बनाई है। योग आयोग द्वारा आमजनता के स्वास्थ्य सुधार के लिए किए जा रहे इस कार्य में समाज कल्याण विभाग हमेशा सहयोग करेगा। श्री ज्ञानेश शर्मा ने कहा कि योग आयोग द्वारा रायपुर, बिलासपुर, बस्तर, सरगुजा के बाद दुर्ग संभाग के लिए पांचवा योग शिविर आयोजित किया गया है। आवासीय शिविरों के माध्यम से छत्तीसगढ़ में योग के लगभग 700 मास्टर ट्रेनर तैयार किए जा चुके हैं। ये ट्रेनर अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर नि:शुल्क योग कक्षाओं के माध्यम से छत्तीसगढ़वासियों के बीच योग का प्रचार-प्रसार करेंगे। उन्होंने बताया कि योगाभ्यास के साथ-साथ योग शिविरों में छत्तीसगढ़ के कुशल योग विशेषज्ञों के द्वारा योग के विभिन्न पहलुओं की जानकारी भी दी गई। योग आयोग के अध्यक्ष ने बताया कि योग आयोग द्वारा आगामी 8 सितंबर 2023 को योग के प्रचार-प्रसार हेतु रायपुर में हजारों लोगों द्वारा 'सेतुबंधासन' का प्रदर्शन किया जाएगा। इसके माध्यम से छत्तीसगढ़ योग आयोग गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराने का प्रयास करेगी।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन और राजकीय गीत के साथ हुआ। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ योग आयोग के सचिव श्री एम. एल. पाण्डेय ने योग आयोग के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला और उसकी कार्य प्रणाली को विस्तार से बताया। कार्यक्रम में योग विशेषज्ञ, योग शिक्षक सहित समाज कल्याण विभाग और योग आयोग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने संयुक्त जिला कार्यालय परिसर में बेबी केयर सेंटर का किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। कलेक्टर आकाश छिकारा ने संयुक्त जिला कार्यालय परिसर के बेबी केयर सेंटर का शुभारंभ किया। इस सेंटर के शुरू हो जाने से कलेक्टोरेट कार्यालय आने वाली एवं कार्यालय में कार्यरत शिशुवती महिलाओं को अपने छोटे बच्चों के देखभाल के लिए सहुलियत होगी। 01 से 07 अगस्त तक स्तनपान सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है।

इस अवसर पर बेबी केयर सेंटर की स्थापना संयुक्त जिला कार्यालय के प्रथम तल पर की गई है। सेंटर के शुभारंभ होने से शिशुवती महिलाओं को उनके छोटे बच्चों को स्तनपान कराने एवं उनके देखभाल के लिए सुरक्षित जगह मिल गई है। कलेक्टर ने सेंटर के शुभारंभ अवसर पर शिशुवती महिलाओं को बधाई देते हुए कहा कि सेंटर के शुरू होने से अपने बच्चों के देखभाल के लिए सुरक्षित जगह की तलाश की चिंता दूर हो गई है। महिलाएं सुरक्षित तरीके से बच्चों का देखभाल कर सकेगी।जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग ने बताया कि कलेक्टोरेट में बेबी केयर यूनिट तथा क्रेच की स्थापना की गई है। उन्होंने बताया कि कलेक्टर कार्यालय परिसर में वर्तमान में विभिन्न पदों पर 55 महिलाएं कार्यरत् है।

इनके 0 से 03 वर्ष बच्चों की संख्या 14 है कुछ शिशुवती महिलाएं भी है तथा कामकाजी महिला होने के कारण उन्हे अपने बच्चों को साथ में लेकर कार्य स्थल पर आना बाध्यता होता है। कार्यालयीन समय प्रात:10 से 5:30 बजे तक होता है।जिसमें समय समय पर उन्हें बच्चें को स्तनपान कराना होता है। पहले कलेक्टर परिसर में कोई भी ऐसा बेबी केयर यूनिट स्थापित नही थी। जहां इस प्रकार के महिलाएं अपने बच्चे को स्तनपान करा सके।साथ ही कलेक्टर परिसर में क्रेच (झूलाघर) स्थापित नही थी।

जिले में 15 नवीन मतदान केन्द्र के प्रस्ताव को आयोग से मिली मंजूरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

सारंगढ़-बिलाईगढ़। नवगठित जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ में विधानसभा क्षेत्रवार कुल 15 मतदान केन्द्रों का युक्तियुक्तकरण करने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रायपुर को प्रस्ताव भेजा गया था, जिसकी स्वीकृति मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा प्रदाय की गई है। इसके तहत सारंगढ़ विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 17 में 03 नए मतदान केन्द्र स्थापित किए गए हैं, जबकि दो केन्द्रों के भवन का नाम परिवर्तन तथा तीन के अनुभाग में परिवर्तन किया गया है।

इसी तरह बिलाईगढ़ विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 43 में 12 नवीन मतदान केन्द्र की स्थापना को आयोग ने मंजूरी दी है। इस विधानसभा क्षेत्र में दो केन्द्रों का स्थल परिवर्तन, 25 का भवन परिवर्तन, 09 मतदान केन्द्रों के भवन के नाम में परिवर्तन, 03 के अनुभाग में परिवर्तन तथा 01 अनुभाग के नामकरण में परिवर्तन किया गया है। इस प्रकार सारंगढ़ विधानसभा क्षेत्र में कुल मतदान केन्द्रों की संख्या 342 से बढ़कर 345 हो गई है तथा बिलाईगढ़ विधानसभा क्षेत्र में मतदान केन्द्रों की संख्या 364 से बढ़कर 376 हो गई है। यानी मतदान केन्द्रों की कुल संख्या 706 से बढ़कर अब 721 हो गई है।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. फरिहा आलम सिद्दीकी ने बताया कि सारंगढ़ विधानसभा क्षेत्रांतर्गत 03 नवीन केन्द्र स्थापित किए गए हैं जिनमें केन्द्र क्रमांक 98 प्राथमिक शाला भवन मुड़ियाडीह, क्र. 118 प्राथमिक शाला भवन नाचनपाली और क्रमांक 196 प्राथमिक शाला भवन अतिरिक्त कक्ष ठेंगाकोट को नवीन मतदान केन्द्र की स्वीकृति प्राप्त हुई है। इसी तरह बिलाईगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 12 नए मतदान केन्द्र स्थापित हैं। इनमें मतदान केन्द्र क्रमांक 59 प्राथमिक शाला माहुलडीह, क्रमांक 85 प्राथमिक शाला भवन डोंगियाभाठा, 288 शासकीय प्राथमिक शाला भवन ढेबा, क्र. 337 प्राथमिक शाला दयालपुर तथा मतदान केन्द्र क्रमांक 354 शासकीय प्राथमिक शाला चंद्रनगर सम्मिलित हैं।

पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

चैंपियन स्कूल मोवा में युवा चेंबर ने किया वृक्षारोपण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तम गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव,राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल एवं युवा चेम्बर महामंत्री कांति पटेल ने बताया कि दिनांक 1 अगस्त 2023 को मोवा स्थित चैंपियन स्कूल में छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स की युवा विंग द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

जिसमे बड़ी संख्या में पदाधिकारी, सदस्य एवं स्कूल के छात्र और शिक्षकगण सम्मिलित होकर वृक्षारोपण कर उस पौधे के विकास और संरक्षण का संकल्प लिया। चेंबर अध्यक्ष श्री अमर पारवानी जी ने कहा कि विकास के इस दौर में प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखना प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व एवं कर्तव्य है। वृक्षों का हमारे जीवन में अत्यधिक महत्व है, मनुष्य और पर्यावरण एक दूसरे के पूरक है अत: हमें अपने जीवन में अधिक से अधिक वृक्ष लगाने चाहिए। युवा चेंबर महामंत्री कांति पटेल ने छात्रों को वृक्षारोपण का महत्व समझाते हुए बताया कि

वृक्ष सभी जीवों के जीवन में एक महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं और मनुष्यों के लिए तो ये किसी वरदान से कम नहीं है। मनुष्य इनसे लकड़ी, फल, सब्जियां और अन्य तरह तरह की विभिन्न वस्तुएं प्राप्त करता है। इसी प्रकार शाकाहारी जानवर भी अपने भोजन की व्यवस्था वृक्षों से ही करते हैं । अत: प्रत्येक जीव का जीवन किसी ना किसी रूप से वृक्षों पर निर्भर है।

हमे अपने आस पास के लोगों को वृक्षारोपण के लिए उन्हें प्रेरित करना चाहिए। कार्यक्रम में युवा चेंबर महामंत्री कांति पटेल जी ने वहां उपस्थित समस्त पदाधिकारियों, सदस्यों एवं स्कूल छात्रों सहित शिक्षकगणो से अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का आव्हान कर पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान देने निवेदन किया। कार्यक्रम में युवा चेंबर की तरफसे युवा चेंबर महामंत्री कांति पटेल, कार्यक्रम के संयोजक जयेश पटेल,समीर वंश्यानी, हिमांशु वर्मा,प्रकाश पटेल,मनीष पटेल आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

मिलजुल कर काम करने से विकास को और गति मिलेगी-मंत्री अकबर

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा।प्रदेश के वन, परिवहन, आवास, पर्यावरण, विधि विधायी तथा जलवायु परिवर्तन मंत्री व कवर्धा विधायक मोहम्मद अकबर आज मंगलवार को अपने भेंट मुलाकात कार्यक्रम के तहत कवर्धा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सिंघनपुरी जंगल, बाम्हन टोला, बानो और कंटकीकला गांव पहुंचे। केबिनेट मंत्री अकबर ने जमीन पर बैठकर ग्रामीण, किसान, युवा, महिलाओं और बुजुर्गो से सीधा संवाद किया।

इस दौरान उन्होंने राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं की जानकारी दी और योजनाओं से हितग्राहियों के जीवन में आए बदलाओं का फीडबैक भी लिया। मंत्री श्री अकबर ने कहा कि गांव में भेंट मुलाकात कर बुजुर्ग और किसानों से चर्चा करने और सभी वर्गो से मिलजुलकर काम करने से क्षेत्र और गांव के विकास को गति मिलती है। मंत्री श्री अकबर ने ग्राम सिंघनपुरी जंगल में लोधी समाज के भवन के लिए 10 लाख रूपए, कबीरकुटी के लिए 05 लाख और रामयण मंडली को 10 हजार रूपए, ग्राम बाम्हनटोला में पटेल समाज भवन के लिए 05 लाख रूपए, सार्वजनिक भवन के लिए 05 लाख और मानस मंडली को 10 हजार रूपए देने की घोषणा की। केबिनेट मंत्री मोहम्मद अकबर ने बताया कि धान खरीदी राज्य सरकार की सबसे बड़ी योजना है। राज्य सरकार की नीति से छत्तीसगढ़ के किसानों का जीवन खुशहाल हो रहा है और आय में बढ़ोत्तरी हो रही है। मंत्री श्री अकबर ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में निर्णय लिया गया कि किसानों को 2500 रूपए प्रति क्विंटल दर से राशि का भुगतान किया जाए। आज 2540 रुपए में धान खरीदा जा रहा है। इस वर्ष की जो खरीदी होगी उसका भुगतान 2640 रुपए प्रति क्विंटल की दर से किया जाएगा। समर्थन मूल्य में अंतर की राशि के भुगतान के लिए राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत अलग से राशि प्रदान करने की योजना बनाई गई। सहकारी समितियों में धान बेचने वाले किसानों को समर्थन मूल्य के अलावा 9000 रूपये प्रति एकड़ की दर से 04 किस्तों में प्रदान किया जा रहा है। 04 किस्तों की राशि क्रमश: पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की पूण्यतिथि 21 मई, उनकी जयंती 20 अगस्त तथा छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस 01 नवंबर, वित्तीय वर्ष की समाप्ति की तिथि 31 मार्च को प्रदान की जाती है। वर्ष 2022-23 में समर्थन मूल्य पर धान बेचने वाले किसानों को राजीव गांधी किसान न्याय योजना की राशि मिलाकर प्रति क्विंटल 2640 रूपए की दर से भुगतान प्राप्त हो रहा है। कैबिनेट मंत्री श्री मोहम्मद अकबर ने कहा कि प्रदेश की भूपेश बघेल सरकार ने भूमिहीन कृषि मजदूरों के कल्याण के लिए राजीव गांधी भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना लाकर इस तरह के प्रत्येक मजदूर को प्रति वर्ष 7 हजार रुपए का भुगतान कर रही है। कैबिनेट मंत्री श्री अकबर ने कहा कि तेंदूपत्ता तोड़ने वाले संग्राहकों को हमारी सरकार आने के बाद से 25 सौ रुपया प्रति मानक बोरा के स्थान पर 4 हजार रुपए की दर से भुगतान किया जा रहा है।

सड़क में बैठने वाले घुमंतु गाय बछड़ों को किया जाए व्यवस्थित और टैगिंग

सारंगढ़ बिलाईगढ़। कलेक्टर डॉ फरिहा आलम सिद्दीकी के निर्देश पर जिले के सड़को में घुमंतु और आवारा पशुओं के कानों में टैग कर और गले में रेडियम पहनाया जा रहा है ताकि सड़क दुर्घटना से बचा जा सके। साथ ही साथ जिला प्रशासन द्वारा गाय, बछड़ों के मालिकों को समझाइश दी जा रही है कि अपने पशुओं को घर में बांध कर रखें। पशुधन विकास विभाग, नगरपालिका, नगर पंचायत और ग्राम पंचायतों का संयुक्त अभियान विगत कई दिनों से प्रतिदिन चलाया जा रहा है। नगरपालिका सारंगढ़ सहित नगर पंचायत बिलाईगढ़, भटगांव, सरिया, बछड़ों को पकड़कर कांजी हाउस और गोठान में रखा जा रहा है।

BIG BRAND
Premium Store

30% Off
70001 78467
70008 73376
Near KPS school ,
Nehru Nagar ,Bhilai

ॐ साईं राम
माँ पुस्तक भंडार

होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

CONTACT
Premier sales 8959493000
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

मुख्यमंत्री ने शहीद विद्याचरण शुक्ल को उनकी जयंती पर किया याद

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पूर्व केन्द्रीय मंत्री शहीद विद्याचरण शुक्ल की 02 अगस्त को जयंती पर उन्हें नमन किया है। श्री बघेल ने विद्याचरण शुक्ल को याद करते हुए कहा कि विद्याचरण जी ने केन्द्रीय मंत्री के रूप में कई सालों तक छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व किया और देश के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के विकास की राहें भी प्रशस्त की। भारत सरकार के मंत्री के रूप में उन्होंने संचार, गृह, रक्षा, वित्त, योजना, विदेश, संसदीय कार्य मंत्रालयों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाली। वह एक कुशल राजनेता और प्रशासक के रूप में जाने जाते हैं। श्री बघेल ने कहा है कि झीरम घाटी नक्सली हमले में विद्याचरण जी की शहादत, छत्तीसगढ़ कभी भुला नहीं पाएगा। छत्तीसगढ़ के लिए उनका अमूल्य योगदान हमेशा याद किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने पंडित रविशंकर शुक्ल की जयंती पर उन्हें किया याद

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अविभाजित मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री पंडित स्वर्गीय रविशंकर शुक्ल की 02 अगस्त को जयंती पर उन्हें नमन किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रविशंकर ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के राष्ट्रीय आंदोलनों में शीर्ष भूमिका निभाई। उन्होंने छत्तीसगढ़ में जन-जागरूकता लाने का महत्वपूर्ण काम किया। रविशंकर अच्छे वकील, राजनेता होने के साथ ही अच्छे वक्ता और लेखक भी थे। उन्होंने स्वतंत्रता के बाद रियासतों के विलय में महत्वपूर्ण योगदान दिया। बघेल ने कहा कि रविशंकर शुक्ल जी आधुनिक मध्यप्रदेश के निर्माता के रूप में भी जाने जाते हैं। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा उनकी स्मृति में सामाजिक, आर्थिक तथा शैक्षिक क्षेत्र में अभिनव प्रयत्नों के लिए पंडित रविशंकर शुक्ल सम्मान स्थापित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की उन्नति और यहां सामाजिक सद्भाव बनाए रखने के लिए रविशंकर जी के प्रयास चिरकाल तक याद किए जाएंगे। उनकी सीख हमेशा हमें रास्ता दिखाती रहेगी।

3201 हजार हेक्टेयर में खरीफ फसलों की हो चुकी बोनी

रायपुर। प्रदेश में खरीफ मौसम में अनाज, दलहनी, तिलहनी एवं अन्य फसलों का बुवाई का कार्य तेजी से जारी है। अब तक 3201.44 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में खरीफ फसलों की बुवाई हो चुकी है, जो कि इस साल बुवाई के लक्ष्य का 66 प्रतिशत है।

संचालनालय कृषि रायपुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार धान बोता 2269.12 हजार हेक्टेयर, धानरोपा 448.46 हजार हेक्टेयर, मक्का 163.80 हजार हेक्टेयर, कोदो 23.61 हजार हेक्टेयर, कुटकी 7.32 हजार हेक्टेयर, रागी 5.85 हजार हेक्टेयर, ज्वार 0.61 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में बुवाई हो चुकी है, जो कि कुल 2918.77 हजार हेक्टेयर है। इसी प्रकार दलहनी फसलों में अरहर 63.05 हजार हेक्टेयर, मूंग 6.52 हजार हेक्टेयर, उड़द 42.27 हजार हेक्टेयर एवं कुल्थी की बोनी 0.29 हजार हेक्टेयर हुई है, जो कि कुल 112.13 हजार हेक्टेयर है। तिलहनी फसलों में मूंगफली 30.98 हजार हेक्टेयर, तिल 7.57 हजार हेक्टेयर, सोयाबीन 31.16 हजार हेक्टेयर, रामतिल 0.43 हजार हेक्टेयर एवं सूरजमुखी, अरण्डी की बोनी 0.18 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में पूरी हो चुकी है, जो कि 70.32 हजार हेक्टेयर है। इसी प्रकार अन्य फसलों में 90.70 हजार हेक्टेयर तथा गन्ना की 9.52 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में बुवाई हो चुकी है।

नए जमाने के अनुरूप रोज़गारोन्मुखी तकनीकी प्रशिक्षण से खुलेंगे रोजगार के द्वार

स्कूली शिक्षा के साथ दिया जा रहा है व्यावसायिक प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। समय के साथ औद्योगिक जगत वैश्विक परिदृश्य में टिकाऊ बने रहने के लिए आधुनिक स्वरूप में ढल रहा है। उद्योगों में नई-नई तकनीक का समावेशन हो रहा है। उद्योग की जरूरत के हिसाब से प्रशिक्षित कामगारों की मांग बढ़ रही है। युवाओं को सही मार्गदर्शन के साथ आधुनिक ट्रेडों में प्रशिक्षण मिल सके, इसके लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार मंत्री उमेश पटेल के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ सरकार ने औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों को आधुनिक स्वरूप में ढालना शुरू कर दिया है। राज्य सरकार बड़े औद्योगिक संस्थानों के साथ एमओयू कर रही है, ताकि छात्रों का अच्छी ट्रेनिंग मिल सके। इसके साथ ही हायर सेकेंडरी स्कूलों में अध्ययनरत छात्र-छात्राएं जो व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं, उन छात्रों को 12वीं बोर्ड के प्रमाण पत्र के साथ-साथ आईटीआई का प्रमाण पत्र भी दिया जा रहा है।

चयनित आईटीआई में युवाओं को आर्टीजन यूजिंग एडवांस टूल, इंडस्ट्रीय रोबोटिक्स एण्ड डिजिटल मैन्यूफैचरिंग टेक्नियशियन, मैन्यूफैचरिंग प्रोसस कंट्रोल एण्ड ऑटोमेशन ट्रेड में एक वर्षीय प्रशिक्षण तथा एडवांस सीएनसी मशीनिंग, बेसिक डिजायनर एण्ड वर्चुअल वेरिफायर (मेकेनिकल) मेकेनिकल, इलेक्ट्रिक व्हीकल ट्रेड में दो वर्षीय प्रशिक्षण मिलेगा। इसके अलावा उद्योगों की जरूरत के अनुसार 23 शॉर्टटर्म कोर्स में भी प्रशिक्षण की सुविधा होगी। चयनित आईटीआई में टाटा टेक्नालॉजीस अत्याधुनिक तकनीकी वर्कशॉप की स्थापना करेगी और प्रशिक्षण कार्य के लिए प्रत्येक आईटीआई में शुरूआत में दो प्रशिक्षकों की नियुक्ति करेगी। प्रशिक्षित युवाओं को प्लेसमेंट देने टाटा और उनकी सहयोगी कंपनियां अपना सहयोग देगी।

टाटा टेक्नोलॉजीस लिमिटड के सहयोग से जिन आईटीआई का उन्नयन किया जाएगा उनमें शासकीय आईटीआई-बैकुण्ठपुर, ओड़गी वाड्रफनगर, मैनपाट, बगीचा, लोरमी, कोनी- बिलासपुर, कोरबा, जांजगीर, अकलतरा, हसौद, रायगढ़, खरसिया, राजनांदगांव, डोंगरगांव, मानपुर, छुईखदान, पण्डरिया, गुण्डरदेही, दल्लीराजहरा, गुरूर, दुर्ग, पाटन, धरसींवा, हीरापुर, आरंग, अभनपुर, भाटापारा, सिमगा, बागबाहरा, पिथौरा, कांकेर, अंतागढ़, चारामा, नगरनार एवं दंतेवाड़ा शामिल हैं।

राज्य में पहली बार स्कूलों में अध्ययनरत छात्रों को स्कूली स्तर पर उनके तकनीकी रूझान के अनुरूप स्कूली शिक्षा के साथ-साथ रोजगारोन्मुखी व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। स्कूलों एवं आईटीआई के मध्य समन्वय स्थापित कर एकीकृत प्रणाली विकसित की गई है। इस प्रणाली के तहत प्रदेश के अधिकांश आईटीआई में स्कूली छात्रों को व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इस प्रणाली के अंतर्गत जहाँ स्कूली छात्र अपनी पढ़ाई पूरी कर उसका प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकेंगें, वहीं इसके साथ साथ व्यावसायिक प्रशिक्षण पूर्ण कर आईटीआई का प्रमाण पत्र भी प्राप्त करेंगे और रोजगार प्राप्त करने के लिए तैयार हो सकेंगे।

टाटा टेक्नोलॉजीस और तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग के बीच एमओयू

हाल ही में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की उपस्थिति में राज्य के 36 शासकीय आईटीआई के आधुनिकीकरण के लिए तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग और टाटा टेक्नोलॉजीस के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। लगभग 1188.36 करोड़ की परियोजना के तहत राज्य के 36 आईटीआई में युवाओं को 6 नई ट्रेडों में तथा 23 शॉर्ट टर्म कोर्स में प्रशिक्षण दिया जाएगा। टाटा टेक्नोलॉजीस द्वारा राज्य के चयनित आईटीआई में अत्याधुनिक तकनीकी वर्कशॉप की स्थापना, प्रशिक्षकों की व्यवस्था आदि की जाएगी। इसके अलावा राज्य के युवाओं को प्लेसमेंट देने में टाटा और उनकी सहयोगी कंपनी सहयोग करेगी। इस परियोजना से प्रति वर्ष 10 हजार से अधिक युवाओं को नये जमाने के अनुरूप तकनीकी प्रशिक्षण मिलेगा।

गांव की धरोहर बाड़ी से मिल रही लोगों को हरी साग-सब्जियां

भगवन्तीन बाई को माह में सब्जी से हो रहा 30 हजार का मुनाफा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के अन्तर्गत उद्यान विभाग के माध्यम से संचालित पोषण बाड़ी योजना से लोगों तक हरी और ताजी साग सब्जी आसानी से मिल रही है। गांव की धरोहर नरवा गरवा घुरूवा और बाडी को सहेजने का कार्य छत्तीसगढ़ शासन कर रही है। इसी क्रम में गरियाबंद जिले में ग्रामीण महिलाएं पोषण बाड़ी योजना का लाभ उठाकर अपनी बाडी में हरी सब्जियां की पैदावार कर रही हैं। महिलाएं ताजी सब्जियों को स्थानीय हाट बाजार में बेचकर अच्छा मुनाफा कमा रही हैं। इन्हीं महिलाओं में ग्राम देवरी की भगवन्तीन बाई भी है। अपनी बाड़ी में सब्जी उत्पादन से हर माह अच्छा मुनाफा कमा रही है। उन्होंने बताया कि पहले वे अपने खेत में पारम्परिक तरीके से खेती किसानी करती थी। जिससे अधिक कमाई नहीं हो पाती थी। उन्होंने अपने बाड़ी में सब्जियों की खेती करने के विचार से उद्यानिकी विभाग द्वारा गांव में बाड़ी विकास के लिए कराये जा रहे सर्वे में अपना नाम दर्ज करवाया विभाग ने उन्हें विभिन्न सब्जियों के बीज सब्जियों का थरहा वरमी कम्पोस्ट खाद उपलब्ध कराये गये। भगवन्तीन बाई ने उद्यान विभाग के मार्गदर्शन में अपने 0.20 हेक्टेयर रकबा के बाड़ी में अपनी मेहनत और लगन से सब्जी लगाई। उन्होंने बताया कि सब्जी की अच्छी पैदावार से स्थानीय हाट बाजार में विक्रय से प्रतिमाह 25 से 30 हजार लाभ कमा रही है। इसके साथ अपनी बाड़ी से ही उन्हें साल भर के लिए सब्जी मिल जा रही है। साथ ही अपने परिवार के अन्य सदस्यों को रोजगार भी मिल गया है।

सेमियालाता के पौधे में लाख उत्पादन कर किसान हो रहे हैं समृद्ध

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य के वनांचल क्षेत्रों में लाख की खेती, आज कई ग्रामीण किसान परिवारों के लिए आय का जरिया बन रहा है। प्रदेश के कई जिले के किसान भी लाख का उत्पादन कर अच्छी आय अर्जित कर रहे हैं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में अपना योगदान दे रहे हैं। दंतेवाड़ा जिले में हीरानार व जोड़ातराई ग्राम के किसानों ने भी सेमियालाता के पौधे में लाख उत्पादन कर समृद्ध हो रहे है। हीरानार व जोड़ातराई ग्राम के किसानों को एक-एक एकड़ में सेमियालाता लगाने दिया गया था, जिसमें हीरानार के किसान ने 25 हजार व जोड़ातराई के किसान ने 35 हजार रुपये, पहले वर्ष लाख बेच कर कमाया है।

किसानों का कहना है कि सेमियालाता के पौधा का उचित प्रबंधन से प्रत्येक वर्ष उत्पादन में वृद्धि होती है, साथ ही इस पौधे के बीच में अंतरवर्ती फसलों की भी खेती की जा सकती है, इस पौधा का बेहतर प्रबंधन कर किसान अच्छी आय का सृजन कर सकते हैं। जिले में लाख का उत्पादन एक अच्छा लघु उद्योग है, जिसे किसान जंगलो में उपलब्ध कुसुम, बेर या पलाश के पौधों से प्राप्त करते हैं। ये पौधे लगभग बड़े होने के कारण प्रबंधन में थोड़ी परेशानी आती है जिससे उत्पादन भी कम होता है, व पर्याप्त रूप से उत्पादन नहीं ले पाते थे। लेकिन कृषि विज्ञान केंद्र, गीदम की पहल से लाख उत्पादन हेतु सेमियालाता पौधा का परिचय किसानों को कराया गया और इसके प्रबंधन के लिए विस्तार से जानकारी दी गई।

सेमियालाता एक प्रकार का ऐसा पौधा है जो पांच से सात फीट तक ऊंचा होता है, इसे पड़ती बंजर भूमि में भी इसकी खेती की जा सकती है। इस पौधे में पानी की कम जरूरत होती है और अधिक ऊंचाई न होने के कारण इसमें आसानी से लाख कीट पाला जा सकता है व इसका प्रबंधन भी सरलता से कर सकते हैं। इस पौधे से साल में दो बार उत्पादन लिया जा सकता है, सेमियालाता आने वाले समय में लाख उत्पादन का एक अच्छा साधन बन सकता है।

दो महीने के भीतर 1 लाख 50 हजार नल कनेक्शन का लक्ष्य प्राप्त करें: कलेक्टर डॉ.भुरे

जल स्त्रोंतो के जिया टैगिंग करने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रास सभाकक्ष में बैठक हुई। डॉ भुरे ने जिले में जल जीवन मिशन के कार्यों सहित उनसे जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए कहा कि जिले में नागरिकों को नल कनेक्शन जल्द प्रदान करें ताकि उन्हें पेयजल की सुविधा सुलभ तरीके से मिल सकें। उन्होंने नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जल स्त्रोतों के जियो टैगिंग करने को कहा। डॉ भुरे ने दो महीने के भीतर जिले में एक लाख पचास हजार घरेलू कनेक्शन का लक्ष्य पूरा करने का निर्देश दिया। गौरतलब है रायपुर जिले के कुल 1,84,335 घरों में से 1,41,019 घरों में नल कनेक्शन प्रदाय किया जा चुका है तथा मार्च 2024 तक जिले के सभी ग्रामीण परिवारों को नल कनेक्शन प्रदान करने का प्रयास किया जा रहा है। कलेक्टर ने बैठक में कुछ गांवों में विद्युत विभाग को विद्युत कनेक्शन के तथा लोक निर्माण विभाग को सडक कटिंग जुडे मुददों को समन्वय बनाते हुए जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। बैठक में कहा गया की ग्रामों में बेसिक पैरामीटर पूर्ण करने के और स्थानीय युवाओं को मरम्मत कार्य के लिए प्रशिक्षित करने के बाद ही प्रकरण निकाय को सौंपे।

बैठक में विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। रायपुर जिले के 22 ग्रामों के 7 निविदाओं के प्राप्त दर अनुसार कार्यादेशित राशि 5.00 करोड़ से अधिक होने वाली सभी निविदाओं को राज्य जल एवं स्वच्छता समिति (एसडब्ल्यूएसएम) में अनुमोदन के लिए सहमति प्रदान की गयी। साथ ही पुराने एसओआर में प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त 12 योजनाओं का कार्यादेश होने के पूर्व नए एसओआर लागू होने के कारण उक्त सभी योजनाओं को नए एसओआर में पुनः तैयार कर तथा तकनीकी स्वीकृति प्राप्त करने वाले पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति के लिए अनुमोदित किया गया। इसके अलावा निविदा में अधिक दर प्राप्त होने के फलस्वरूप 35 सिंगल विलेज/रेट्रोफिटिंग योजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई।

जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक में नलकूप खनन के लिए एसओआर से कम दर प्राप्त निविदाओं को स्वीकृत किया गया। साथ ही जल शक्ति मंत्रालय के निर्देशानुसार निविदा में एसओआर से 10-25 प्रतिशत तक अधिक दर प्राप्त वाली 5 ग्रामों की योजनाओं को स्टेट लेवेल स्कीम सेंसनिंग कमेटी (एसएलएसएससी) तथा 25 प्रतिशत से अधिक निविदा दर प्राप्त वाली 70 ग्रामों की योजनाओं को स्टेट वाटर एंड सैनिटेशन मिशन (एसडब्ल्यूएसएम) की अपेक्स कमेटी के प्रमुख से अनुमोदनार्थ भेजने का निर्णय लिया गया। बैठक में जल जीवन मिशन के तहत् प्रगतिरत योजनाओं में समय से कार्य पूर्ण नहीं होने के कारण अनुबंध के प्रावधानों के अनुसार समय में वृद्धि करने पर सहमति दी गई। साथ ही प्रत्येक ग्राम पंचायत में गठित ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति (वीडब्ल्यूएससी) के बैंक खातों में ग्रामीण अंशदान की राषि जमा करवाने के लिए जनपद पंचायतों को पत्र लिखने के लिए निर्देश दिए गए। विकासखण्ड अभनपुर में उपखण्डस्तरीय प्रयोगशाला में प्रयोगशाला सहायक के पद पर अस्थायी भर्ती,प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से भर्ती हुए 8 जिला समन्वयकों तथा 8 कम्प्यूटर ऑपरेटरों के कार्यकाल में 1 वर्ष की वृद्धि पर सहमति दी गई। उक्त सभी प्रकरणों को समिति द्वारा अनुमोदन कर उचित कार्यवाही हेतु कार्यपालन अभियंता को निर्देशित किया गया। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अबिनाश मिश्रा, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता बी.एन भोयर तथा के समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

प्रीति ड्रेसेस
मेन्स एण्ड लेडिस वियर
जवाहर मार्केट, पावरहाउस, भिलाई
मो. 9589230033, 9993840094

• जीन्स
• टी-शर्ट
• शर्ट
• ट्राउजर
भारत जींस
जवाहर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटर प्यूरी फायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
अनुप ट्रेडर्स
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंग रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोन: 0788-2225449, 93290-13017

Hotel Shiv Prabha Inn. & Town King
The Family Restaurant
46-C Market, Near Sapana Talkies & Hotel Apana Keshari Lodge, Power House, Bhilai, Distt.-Durg (C.G.)
9893215251, 8966981590
Email.: ranjanaguptakeshari@gmail.com

BIHAR BOOT HOUSE
Jawahar Market, Power House
Bhilai 9826181183

बच्चे को लग गई है पिज्जा-बर्गर खाने की आदत, ट्राई करें 6 टिप्स दोबारा हाथ भी नहीं लगाएंगे

बच्चे जब भी बाहर निकलते हैं, जंक फूड खाने की जिद करने लगते हैं। पिज्जा-बर्गर और कैंडी का टेस्ट उन्हें खूब लुभाता है। इसकी वजह से हेल्दी और न्यूट्रिएंट्स रिच चीजों को खाना बच्चे बंद करने लगते हैं। उनकी यही आदत उनकी सेहत के लिए खतरनाक है। ऐसे में पैरेंट्स को बच्चों की जिद के आगे झुकने की बजाय उनकी हेल्थ पर फोकस करना चाहिए। उन्हें इन चीजों से बचाना चाहिए। यहां कुछ ऐसे टिप्स, जो बच्चों की इस आदत को छुड़ाने में आपकी हेल्प कर सकते हैं।

खाने की आदत बदलें

बच्चों का जंक फूड छुडाना है तो सबसे पहले उनके खानपान की आदतों के बदलें। ये थोड़ा मुश्किल हो सकता है लेकिन धीरे-धीरे ही सही बच्चों में हेल्दी फूड खाने की हैबिट डालें। ताकि उन्हें सही मात्रा में पोषक तत्व मिल सके।

पसंद का बनाएं हेल्दी फूड

अगर आपका बच्चा कुछ खाने में आनाकानी करता है तो उनकी पसंद की हेल्दी चीजें बनाएं। उन मसालों का इस्तेमाल करें, जो उन्हें पसंद हैं। सलाद के साथ दही, सॉस, हम्मस जैसी टेस्टी लुभावनी चीजें सर्व करें।

हैबिट बदलने की शुरुआत जल्दी करें

बच्चों के खाने-पीने की आदतों में जितनी जल्दी बदलाव करना शुरू करेंगे, उसका फायदा उतना ही मिलेगा, वरना एक समय के बाद बच्चे अपनी इस आदत को बदल नहीं पाएंगे। ऐसे में जब भी बच्चों की डाइट बदलें तो उन्हें इसके फायदे भी समझाएं और इसकी शुरुआत सही समय पर कर दें।

प्रोटीन से भरपूर हो बच्चों की डाइट

बच्चों को जो भी खिला रहे हैं, ध्यान दें कि उनमें प्रोटीन की मात्रा भरपूर हो। इससे बच्चों को भूख देर से लगेगी और ज्यादा कैलोरी से वे बच जाते हैं। इतना ही नहीं जंक फूड खाने की इच्छा भी कम होती है। ब्रेकफास्ट में बच्चे को दूध, अनाज, सोया, अंडा ,मछली या चिकन जैसी चीजें दें।

खाने का समय तय कर दें

बच्चे के खाने का समय तय कर लें। उस समय पर उन्हें खाना मिल जाए। हालांकि, पूरे हफ्ते इस तरह का मेन्यू फॉलो कर पाना कठिन हो सकता है। इसलिए दो-दो दिन का मिल शेड्यूल बना लें और इसी हिसाब से उन्हें खाने को दें। उनकी डाइट में लीन प्रोटीन पनीर और जींस का इस्तेमाल जरूर करें।

घर से बाहर जाएं तो पहले ही खाना बना लें

जब भी किसी काम से आप बाहर जाएं तो बच्चों के खाने की चीज तैयार कर लें। अक्सर बच्चे हर 3-4 घंटे में 3 मील और दो स्नैक्स लेते हैं। अगर उन्हें समय से खाने को मिल जाएगा तो उनके जंक फूड खाने के चांसेस कम हो सकते हैं।

क्या आपको भी आती है ब्यूटी ब्लेंडर का इस्तेमाल करने में परेशानी तो जाने सही तरीका

जब मेकअप एप्लिकेशन की बात आती है, तो एक सौंदर्य ब्लेंडर एक गेम-चेंजर है। यह बहुमुखी और आसान उपकरण आपको निर्दोष, एयरब्रश्ड-जैसी फिनिश प्राप्त करने में मदद करता है, चाहे आप फाउंडेशन, कंसीलर या ब्लश का उपयोग कर रहे हों। हालांकि, इसकी प्रभावशीलता को बनाए रखने और बैक्टीरिया के निर्माण को रोकने के लिए, नियमित सफाई आवश्यक है। इस लेख में, हम आपको एक सौंदर्य ब्लेंडर को साफ करने की प्रक्रिया के माध्यम से मार्गदर्शन करेंगे ताकि इसे प्राचीन स्थिति में रखा जा सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि आपका मेकअप आवेदन बिंदु पर बना रहे।

क्यों अपने सौंदर्य ब्लेंडर की सफाई महत्वपूर्ण है

इससे पहले कि हम सफाई प्रक्रिया में उतरें, आइए समझें कि आपके सौंदर्य ब्लेंडर को साफ रखना क्यों महत्वपूर्ण है:-

स्वच्छता और बैक्टीरिया

ब्यूटी ब्लेंडर आपकी त्वचा के सीधे संपर्क में आते हैं, तेल, मेकअप और पसीने को अवशोषित करते हैं। यदि नियमित रूप से साफ नहीं किया जाता है, तो वे बैक्टीरिया के लिए प्रजनन स्थल बन जाते हैं, जिससे ब्रेकआउट और त्वचा में जलन हो सकती है।

सम्मिश्रण दक्षता

एक गंदा ब्यूटी ब्लेंडर आपके मेकअप एप्लिकेशन में बाधा डाल सकता है। पुराने मेकअप अवशेष नए उत्पाद के साथ मिश्रण कर सकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप असमान और पैची कवरेज हो सकता है।

ब्लेंडर का जीवनकाल

उचित सफाई आपके सौंदर्य ब्लेंडर के जीवन को बढ़ाती है। नियमित देखभाल सुनिश्चित करती है कि स्पंज नरम और उछाल भरा रहे, जिससे आप इसे अधिक विस्तारित अवधि के लिए उपयोग कर सकें।

अपने सौंदर्य ब्लेंडर की सफाई:- चरण-दर-चरण गाइड

अब जब आप अपने सौंदर्य ब्लेंडर को साफ रखने के महत्व को समझते हैं, तो आइए चरण-दर-चरण सफाई प्रक्रिया का पता लगाएं:

चरण 1:- बहते पानी के नीचे अपने ब्यूटी ब्लेंडर को गीला करके शुरू करें। सुनिश्चित करें कि यह पर्याप्त पानी को अवशोषित करता है, जिससे यह फैलता है और नरम हो जाता है।

चरण 2:- स्पंज पर हल्के तरल साबुन या विशेष रूप से तैयार ब्यूटी ब्लेंडर क्लीन्जर की थोड़ी मात्रा निचोड़ें। धीरे से क्लीन्जर को ब्लेंडर में मालिश करें, इसे लैथर में काम करें।

चरण 3:- बहते पानी के नीचे ब्यूटी ब्लेंडर को तब तक धोएं जब तक कि पानी साफ न हो जाए। सुनिश्चित करें कि सभी साबुन और मेकअप अवशेष पूरी तरह से धोए गए हैं।

चरण 4:- जिद्दी दाग के लिए, आप पानी और बेकिंग सोडा के मिश्रण का उपयोग कर सकते हैं। एक पेस्ट बनाएं और इसे दाग वाले क्षेत्रों पर लागू करें। इसे धोने से पहले कुछ मिनट के लिए छोड़ दें।

चरण 5:- धीरे से ब्यूटी ब्लेंडर से अतिरिक्त पानी निचोड़ें। इसे सूखने के लिए, इसे एक साफ तौलिया पर रखें और इसे हवा में सूखने दें। हेयर ड्रायर का उपयोग करने या इसे सीधे धूप के नीचे रखने से बचें, क्योंकि यह स्पंज को नुकसान पहुंचा सकता है।

रखरखाव के लिए अतिरिक्त युक्तियां

टिप 1:- आदर्श रूप से, मेकअप अवशेषों को स्पंज में गहराई से बसने से रोकने के लिए हर उपयोग के बाद अपने सौंदर्य ब्लेंडर को साफ करें।

टिप 2:- स्पंज को नुकसान पहुंचाने से बचने के लिए हल्के तरल साबुन या विशेष रूप से तैयार ब्यूटी ब्लेंडर क्लींजर का उपयोग करें।

टिप 3:- ब्यूटी ब्लेंडर्स का जीवनकाल सीमित होता है। अपने उपयोग के आधार पर उन्हें हर तीन से चार महीने में बदलें।

टिप 4:- मोल्ड के विकास को रोकने के लिए अपने ब्यूटी ब्लेंडर को एक साफ और अच्छी तरह हवादार क्षेत्र में स्टोर करें। अपने ब्यूटी ब्लेंडर को नियमित रूप से साफ करना स्वस्थ त्वचा को बनाए रखने और निर्दोष मेकअप आवेदन प्राप्त करने में एक सरल लेकिन आवश्यक कदम है। चरण-दर-चरण मार्गदर्शिका का पालन करके और अतिरिक्त रखरखाव युक्तियों को लागू करके, आप यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि आपका सौंदर्य ब्लेंडर शीर्ष स्थिति में रहे, जिससे आपको हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ दिखने में मदद मिले।

5 अगस्त को रिलीज होगा जागेश और साक्षी का छत्तीसगढ़ी एल्बम 'दिल दीवाना होंगे'

श्रीकंचनपथ न्यूज

छत्तीसगढ़ के जाने-माने कलाकार जागेश वर्मा का नया छत्तीसगढ़ी एल्बम सॉन्ग 'दिल दीवाना होगे' आने वाला है। जिसमें जागेश के साथ साक्षी दासगुप्ता भी नजर आएंगी। छत्तीसगढ़ी एल्बम सॉन्ग 'दिल दीवाना होगें' 5 अगस्त को याना मीडिया ऑफिशियल यूट्यूब चैनल में रिलीज होगा। छत्तीसगढ़ी एल्बम सॉन्ग 'दिल दीवाना होगे' को अनुराग शर्मा और श्वेता महिमा दास ने गाया है, जिसमें छत्तीसगढ़ के जाने-माने कलाकार जागेश वर्मा और साक्षी दास गुप्ता एक साथ नजर आएंगे।

वरुण तेज अभिनीत गांडीवधारी अर्जुन का टीजर रिलीज

वरुण तेज अभिनीत गांडीवधारी अर्जुन का पहला आधिकारिक टीजर आउट हो गया है और यह शानदार एक्शन से भरपूर है। एसवीसीसी के आधिकारिक हैंडल ने टीजर को सोशल मीडिया पर साझा किया। यह फिल्म एक एक्शन थ्रिलर है जो एक विशेष एजेंट के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक वायरल-आतंकी-हमले से बचने की कोशिश कर रहा है, लेकिन उसका मिशन तब व्यक्तिगत हो जाता है जब उसके प्रियजन खतरे में पड़ जाते हैं। बंदूकें, विस्फोट, कार का पीछा और अंतरराष्ट्रीय अपराध सिंडिकेट, टीजर में सब कुछ है। फिल्म में साक्षी वैद्य, नासर, विमला रमन, विनय राय, नारायण, रोशिनी प्रकाश, मनीष चौधरी, अभिनव गोमतम, रवि वर्मा, कल्पलता और बेबी वेदा भी हैं। प्रवीण सत्तारू द्वारा निर्देशित, गांडीवधारी अर्जुन 25 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। गांडीवधारी अर्जुन के अलावा, वरुण तेज वीटी 13 नामक एक और मनोरंजक हवाई एक्शन थ्रिलर फिल्म में भी दिखाई देंगे, जहां वह अभिनेता मानुषी छिल्लर के साथ अभिनय करेंगे, जो तेलुगु सिनेमा में अपनी शुरुआत कर रही हैं। यह फिल्म सच्ची घटनाओं पर आधारित है।

ओह माय गॉड 2 को मिला बिना किसी कट 'ए सर्टिफिकेट'

अक्षय कुमार और पंकज त्रिपाठी की मोस्ट अवेटेड फिल्म ओह माय गॉड-2 को लेकर ऑडियंस काफी एक्साइटेड है। ये फिल्म 11 अगस्त को गदर 2 के साथ सिनेमाघरों में टकराएगी। हालांकि, इस फिल्म का टीजर सामने आने के बाद फिल्म थोड़ी मुसीबतों में फंसती हुई नजर आई थी।

आदिपुरुष के विवाद को ध्यान में रखते हुए सेंसर बोर्ड ऑफ सर्टिफिकेशन ने इस बात को खासा ध्यान दिया कि ओह माय गॉड-2 पर कोई कंट्रोवर्सी न हो। कई मीडिया रिपोर्ट्स में ये कहा गया कि फिल्म को 20 कट देकर यू/ए सर्टिफिकेट के साथ सेंसर बोर्ड ने पास किया है। लेकिन अब मेकर्स ने खुद अक्षय कुमार की फिल्म ओह माय गॉड-2 के सर्टिफिकेट पर सफाई दी। वायाकॉम 18 के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर अजीत अंधारे ने ओह माय गॉड-2 के सर्टिफिकेट को लेकर चल रही खबरों पर अपनी चुप्पी तोड़ते हुए आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर एक ट्वीट किया। आपको बता दें कि ओह माय गॉड-2 का रनिंग टाइम टोटल 2 घंटे 36 मिनट का है।

श्रिया सरन ने हॉटनेस से बढ़ाया सोशल मीडिया का पारा

दृश्यम फेम एक्ट्रेस श्रिया सरन फिल्म में भले ही एक सीधी पत्नी के रूप में नजर आई हों लेकिन रियल लाइफ में वो बेहद ही बोल्ड और स्टाइलिश एक्ट्रेस हैं। उनकी स्टाइलिश तस्वीरें फैंस के दिलों को बेताब किए हुए हैं। एक्ट्रेस श्रिया सरन ने ब्लू कलर की आउटफिट के साथ मल्टीकलर एम्ब्राडरी लुक में नजर आ रही हैं। जो फैंस को काफी पसंद आ रही हैं। डीपनेक और थाई स्लिट आउटफिट में एक्ट्रेस श्रिया सरन बेहद ही स्टाइलिश लुक में नजर आ रही हैं।

मिनिमल मेकअप और डीपनेक आउटफिट में एक्ट्रेस श्रिया सरन अपनी जमकर क्लीवेज फ्लॉन्ट कर रही हैं। चेहरे पर लाइट लिपस्टिक और खुले बाल के साथ एक्ट्रेस अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट कर रही हैं। एक्ट्रेस श्रिया सरन सोशल मीडिया पर अपनी निजी और प्रोफेशनल तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। श्रिया सरन अपने अतरंगी रूपों के कारण अक्सर सुर्खियों का विषय बनी रहती हैं, उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर कहर बरपाती रहती हैं। सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस श्रिया सरन की ग्लैमरस अदाएं फैंस के दिलों पर कहर बरपाती रहती हैं। फैंस एक्ट्रेस की तस्वीरों का बेसब्री से इंतजार करते रहते हैं। एक्ट्रेस श्रिया सरन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर आते ही तेजी से वायरल हो जाती हैं।

एटली और वरुण धवन की आगामी फिल्म का हिस्सा बनीं वामिक गब्बी

अभिनेत्री वामिका गब्बी को पिछली बार वेब सीरीज जुबली में देखा गया था। यह सीरीज अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है। अब जुबली की आपार सफलता के बाद वामिका के हाथ एक एटली कुमार की आगामी फिल्म लग गई है, जिसमें वह वरुण धवन के साथ नजर आएंगी। हालांकि, इस खबर की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

रिपोर्ट के अनुसार, निर्माताओं ने कुछ दिन पहले मुंबई के एक 5 स्टार हॉटल में फिल्म का छोटा सा मुहूर्त रखा था। एटली और वरुण की आगामी फिल्म इसलिए ज्यादा खास है क्योंकि साउथ में अपना जलवा बिखेरने के बाद अब कीर्ति सुरेश बॉलीवुड में अपना सिक्का जमाने को तैयार हैं। यह एक एक्शन एंटरटेनर फिल्म है, जिसका निर्देशन कलीस कर रहे हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस फिल्म की शूटिंग अगले महीने मुंबई में शुरू होगी। यह वरुण धवन की 18वीं फिल्म होगी और यह तमिल फिल्म थेरी की रीमेक है। थेरी 2016 में आई थी और इसका निर्देशन एटली ने किया था। इस फिल्म में थलापति विजय, सामंथा रुथ प्रभु और एमी जैकसन मुख्य भूमिका में थे। रीमेक के लिए एटली ने स्क्रिप्ट को नए सिरे से तैयार किया है। उत्तर भारतीय दर्शकों के हिसाब से इसमें नए किरदार और ट्विस्ट जोड़े गए हैं। रिलीज डेट के बाद दर्शकों को इसके नाम का इंतजार है। फिलहाल फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है। यह फिल्म 31 मई, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

स्कूलों में शिक्षकों की हो नियमित उपस्थिति -कलेक्टर

रायगढ़। कलेक्टर तारन प्रकाश सिंह के निर्देशन में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अपर कलेक्टर सु संतन देवी जांगड़े एवं अपर कलेक्टर राजीव कुमार पांडे ने समय-सीमा की बैठक ली। बैठक में अपर कलेक्टर सु जांगड़े ने विभागवार लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्रकरणों समय-सीमा में निराकरण करें। उन्होंने कहा कि निराकृत प्रकरणों का प्रतिवेदन भेजे, जिससे निराकरण सुनिश्चित किया जा सकें। बैठक में अपर कलेक्टर राजीव कुमार पाण्डेय ने सभी एसडीएम को स्कूलों के नियमित निरीक्षण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्कूलों में शिक्षकों की नियमित उपस्थिति होनी चाहिए। अनुपस्थित शिक्षकों पर नियमानुसार कार्यवाही की जाए। इस दौरान उन्होंने वैकल्पिक व्यवस्था किए गए शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अपर कलेक्टर पाण्डेय ने कहा कि आवारा मवेशी सड़को में सक्रिय हुए। अत:पशुपालन विभाग आवारा मवेशियों के टैगिंग एवं रेडियम नेक बैंड लगाये। इसके साथ ही उन्होंने सड़कों में अपने पशुओं को छोडऩे वाले पशुपालकों पर अर्थदंड लगाने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने शेष बचे जाति प्रमाण पत्र की जानकारी ली। उन्होंने सभी एसडीएम को कार्य योजना बनकर जाति प्रमाण पत्र बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व के समय-सीमा से बाहर के प्रकरण की समीक्षा करते हुए समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने मतदान केंद्रों का भौतिक सत्यापन करने के निर्देश देते हुए मतदान केन्द्रों में आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने को कहा।

स्वीप अंतर्गत हर ग्राम पंचायत में होगा मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन

राजनांदगांव। कलेक्टर डोमन सिंह ने कहा कि विधानसभा निर्वाचन 2023 के दृष्टिगत स्वीप अंतर्गत सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मतदाता जागरूकता रैली एवं अन्य गतिविधियां आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि हर ग्राम पंचायत में जहां ग्राम सभा का आयोजन होगा, वहां मतदाता जागरूकता रैली में सभी अधिकारी-कर्मचारी शामिल होंगे। डोंगरगांव में 2 अगस्त को हमर परिवार हेलमेट परिवार के तहत हेलमेट पहनने के लिए लोगों को सजग करने के साथ ही मतदान के प्रति जागरूकता का संदेश दिया जाएगा। उन्होंने नीति आयोग द्वारा जारी डेल्टा रैंकिंग में विभिन्न पैरामीटर्स पर जिले के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए जिला पंचायत एवं कृषि, उद्यानिकी व पशुपालन विभाग को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल 4 अगस्त को युवाओं के साथ संवाद कार्यक्रम में शामिल होंगे। उन्होंने इस कार्यक्रम के लिए आवश्यक तैयारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने 10 अगस्त को ग्राम सेम्हरादैहान में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के आगमन को ध्यान में रखते हुए आवश्यक तैयारी करने के लिए कहा। कलेक्टर ने कहा कि सभी विकासखंडों में 10 अगस्त से कौशल विकास अंतर्गत सिलाई, कम्प्यूटर एवं अन्य प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

इसके साथ ही कुमर्दा, घुमका एवं लाल बहादुर नगर में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस के आयोजन के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने कहा कि राशन दुकानों में चावल की हेराफेरी करने वाले दुकान संचालकों को सभी एसडीएम, एसडीओपी एवं खाद अधिकारी समझाईश दें तथा निर्देशों का पालन नहीं करने पर एफआईआर करने के निर्देश दिए। उक्त बातें कलेक्टर डोमन सिंह ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में कही।

जिला कांग्रेस भवन में मनाई गई स्व.बाल गंगाधर तिलक की पुण्यतिथि

रायगढ़ । जिला कांग्रेस भवन रायगढ़ में आज स्वराज हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है का नारा देने वाले स्व.बाल गंगाधर तिलक जी को उनकी पुण्यतिथि में याद कर उन्हें नमन किया गया जिला कांग्रेस अध्यक्ष अनिल शुक्ला व महापौर जानकी काटजू जी ने उपस्थित कांग्रेस जनों के साथ उनकी स्मृति तस्वीर में पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और बताया कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान नेताओं में से एक लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक जी जिनकी आज पुण्यतिथि है 'स्वराज हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है और इसे हम लेकर रहेंगे' उनके इस नारे ने भारतीय जनमानस में नई उर्जा भर दी थी. उनके आंदोलनकारी सोच और करिश्माई व्यक्तित्व ने उन्हें एक विशिष्ट स्थान प्रदान किया और उन्हें आज भी भारतीय इतिहास में एक महान नेता के रूप में याद किया जाता है अनिल शुक्ला ने आगे बताया . स्व.लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक एक उदार और समर्पित व्यक्ति थे. उनकी विचारधारा में स्वतंत्रता, सामर्थ्य, और एकता के लिए गहरा विश्वास था. उन्होंने जनता को अपने देशप्रेम और स्वाधीनता के प्रति प्रेरित किया।

बिलासपुर में पीएससी की तैयारी करने वाले युवाओं की सुविधा के लिए अगले सत्र से आरंभ होगा हॉस्टल

पीएससी की आगामी परीक्षाओं में साक्षात्कार के नंबर होंगे कम

श्रीकंचपनथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली बहुविकल्पीय परीक्षाओं में अभ्यर्थियों की माँग के आधार पर आयोग द्वारा निर्णय लिया गया है कि भविष्य में आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं में अभ्यर्थियों के वर्गवार कटआफ सूची लिखित परीक्षा के साथ जारी की जाएगी। पीएससी द्वारा आयोजित परीक्षाओं में इंटरव्यू में जो ज्यादा नंबर हैं उन्हें भी कम किया जाएगा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बिलासपुर के बहतराई स्टेडियम में संभागस्तरीय युवा सम्मेलन के दौरान पीएससी के इन निर्णयों से युवाओं को अवगत कराया।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री बिलासपुर के लिए हवाई मार्ग से जाने वाले थे लेकिन मौसम खराब होने की वजह से हेलीकाप्टर नहीं उड़ सका। मुख्यमंत्री ने ट्वीट कर युवाओं को सड़क मार्ग से आने की सूचना दी। ट्वीट में लिखा कि कका और आपके बीच मौसम नहीं आ सकता है। मैं सड़क मार्ग से आपके पास जल्द पहुंच रहा हूँ।

कार्यक्रम में अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया का सबसे युवा देश हमारा भारत है और उसका हृदय स्थल छत्तीसगढ़ है। जब मैंने विधानसभा वार भेंट मुलाकात कार्यक्रम किया तो मैंने महसूस किया कि युवाओं के साथ अभी खूब सारी बातचीत करनी बची है और फिर युवाओं से संभागस्तरीय भेंट मुलाकात का निश्चय किया।

सबसे पहले रायपुर संभाग के युवाओं से मिला और आज बिलासपुर संभाग के युवाओं से मिलने आया हूँ। मुख्यमंत्री ने चर्चा में बताया कि राज्य शासन युवा हित को ध्यान में रखते हुए अनेक योजनाएं चला रही हैं। हमने व्यापम और पीएससी में फीस माफकर दी है। 4 माह में युवाओं को 112 करोड़ रुपए का बेरोजगारी भत्ता दिया गया है। 41 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है। एसआई की भर्ती के नतीजे शीघ्र ही आ जाएंगे।

इस मौके पर उच्च शिक्षा, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री उमेश पटेल, संसदीय सचिव मती रश्मि सिंह, बिलासपुर विधायक शैलेश पांडे, विधायक लालजीत सिंह राठिया, महापौर रामशरण यादव, छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष अटल वास्तव, खनिज विकास निगम के अध्यक्ष गिरीश देवांगन, मुख्यमंत्री के सलाहकार विनोद वर्मा, प्रदीप शर्मा एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। साथ ही वन विभाग के प्रमुख सचिव मनोज पिंगुआ, मुख्यमंत्री के सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी, स्कूल शिक्षा सचिव एस. भारतीदासन, संभागायुक्त भीम सिंह, कलेक्टर सौरभ कुमार एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे। रायगढ़ से आये युवा संग्राम सिंह ने मुख्यमंत्री से पूछा कि आपके चेहरे की चमक का राज क्या है। मुख्यमंत्री ने उत्तर दिया कि मेरे चेहरे की चमक का राज छत्तीसगढ़ के 3 करोड़ जनता की दुआ है। कोरबा से आई कविता ने बताया कि हमारी छत्तीसगढ़ी संस्कृति को सहेजने के लिए बड़ा काम मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने किया है। साइंस कालेज बिलासपुर के छात्र प्रियांशु दुबे ने कहा कि छत्तीसगढ़ के युवा हर समस्या का समाधान निकाल सकते हैं। प्रदेश में युवा ऊर्जा के लिए बहुत सकारात्मक माहौल है।

सक्ती के हसौद महाविद्यालय की अंतिम वर्ष की छात्रा दर्शनी रात्रे ने कहा कि मैं कालेज स्टूडेंट हूं, सभी के कॉलेज जीवन में कुछ न कुछ किस्सा होता है, मुख्यमंत्री जी आपके कालेज जीवन का कौन सा यादगार किस्सा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि मैं साइंस कॉलेज, रायपुर में मैथ्स लेकर पढ़ रहा था। तीन हॉस्टल थे। किसी भी हॉस्टल में पंखा नहीं था, हमने तीनों हॉस्टल में पंखा लगाने की मांग लेकर प्रदर्शन किया। अजीत जोगी जी उस दौरान कलेक्टर थे, वो आए और हमारी बात सुनी और 8 दिनों में हमारी मांग पूरी हो गई।

प्रो पंजा लीग सीजन 1 : ऋषभ जैन लुधियाना लॉयंस टीम मैनेजर के पद पर हुए नियुक्त

छत्तीसगढ़ से केवल एक राष्ट्रीय विजेता खिलाडी रुपाली फूले का हुआ चयन, 65 किलोग्राम में दिखायेगी अपना जौहर

श्रीकंचपनथ न्यूज

रायपुर। प्रो पंजा लीग सीजन 1 का लाइव प्रसारण शाम 5 से 7 फैन कोड एप में और 7 से 9 बजे तक सोनी स्पोर्ट्स टीवी में पहली बार बार 28 जुलाई से 13 अगस्त तक इंदिरा गाँधी स्टेडियम दिल्ली में होगा जिसमे देश भर से 180 चुने हुए खिलाडी भाग लेंगे। प्रोफेशनल स्तर की यह प्रतियोगिता देश में पहली बार हो रही है।

इस प्रतियोगिता में देश भर से चुनिंदा श्रेष्ठ अधिकारी एवं रेफरी भाग लेंगे, जिसमे छत्तीसगढ़ प्रदेश पंजा कुश्ती संघ के तकनीकी सलाहकार एवं मुख्य कोच ऋषभ जैन प्रतियोगिता में लुधियाना लॉयंस के टीम मैनेजर के पद पर नियुक्त किये गए है। उनकी टीम में देशभर से चुने हुए उत्कृष्ट खिलाडी प्रतियोगिता में अपना प्रदर्शन करेंगे, वे टीम के मुख्य सलाहकर्ता है।

टीम के मुख्य कोच यर्किन हैं,जो कज़ाकिस्तांन से हैं। पूरी टीम में छत्तीसगढ़ से केवल एक राष्ट्रीय विजेता खिलाडी रुपाली फूले का चयन किया गया जो कि 65 किलोग्राम में अपना प्रदर्शन 2 अगस्त को शाम 7 बजे सोनी स्पोर्ट्स टीवी में लाइव प्रसारण होगा। छत्तीसगढ़ प्रदेश पंजा कुश्ती संघ के जूनियर कोच व राष्ट्रीय रेफरी सन्नी बँसोड का भी चयन इस प्रतियोगिता में सीनियर रेफरी के पद पर किया गया है। काफी कठिन प्रक्रिया से कई चरणो में सफल होने के बाद इनका चयन हुआ है।वे पूरी प्रतियोगिता मे काफी मैचों में अपना निर्णय देंगे।

छत्तीसगढ़ प्रदेश पंजा कुश्ती संघ के अध्यक्ष जी सुरेश पिल्लई और महासचिव श्रीकांत ने इनके उज्वल भविष्य के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी। इस प्रतियोगिता को अयोजित प्रो पंजा लीग के ओनर बॉलीवुड अभिनेत्री प्रीति झंगियानी और प्रवीन डब्बास है जो पंजा कुश्ती के खिलाड़ियों के लिए ये प्रतियोगिता का आयोजन किया इससे खेल और खिलाड़ी को नई पहचान मिलेगी।

छायाचित्र प्रदर्शनी, कला जत्था एवं एलईडी स्क्रीन के माध्यम से शासकीय योजनाओं का प्रचार-प्रसार

श्रीकंचपनथ न्यूज

कांकेर। जनसंपर्क संचालनालय रायपुर द्वारा छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। छयाचित्र प्रदर्शनी, कला जत्था तथा एलईडी स्क्रीन के माध्यम से विभिन्न योजनाओं जैसे - गोधन न्याय योजना, राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजन एवं राजीव गांधी किसान न्याय योजना, राजीव युवा मितान क्लब, मिलेट मिशन, मुख्यमंत्री धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर्स, मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लिनीक योजना, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय सहित अन्य लोक कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

जिला मुख्यालय कांकेर में नया बस स्टैण्ड के पास 01 से 03 अगस्त तक छायाचित्र प्रदर्शनी एवं एलईडी स्क्रीन के माध्यम से राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। आज कला जत्था के माध्यम से भी छत्तीसढ़ शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम लोगों को दी गई। एलईडी स्क्रीन एवं छायाचित्र प्रदर्शनी के माध्यम से छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं - मुख्यमंत्री धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर्स, मिलेट मिशन, राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना, राजीव गांधी किसान न्याय योजना, गोधन न्याय योजना, राजीव युवा मितान क्लब, मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लिनीक योजना, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय सहित अन्य लोक कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। गौरतलब है कि राजीव युवा मितान क्लब अंतर्गत राज्य के प्रत्येक ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों में लगभग 13,269 राजीव युवा मितान क्लब का गठन किया गया है। इसी प्रकार राजीव गांधी किसान न्याय योजना अंतर्गत वर्ष 2022-23 में समर्थन मूल्य पर अब तक 107.53 लाख मैट्रिक टन से अधिक की धान खरीदी की गई है। धान के बदल अन्य फसलों की खेती के लिए सरकार द्वारा इनपुट सब्सीडी भी दी जा रही है।

जिले के मछली पालकों के लिए 31 करोड़ रूपये की कार्य योजना का अनुमोदन

श्रीकंचपनथ न्यूज

रायपुर। रायपुर जिले में 31 करोड़ 5 लाख रूपये की लागत से मछली पालन को बढ़ावा देने के लिए विस्तृत कार्य योजना का अनुमोदन हो गया है। साढ़े छह सौ से अधिक मछली पालकों को फायदा पहुंचाने वाली इस कार्य योजना का अनुमोदन कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर भुरे की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना की जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक में किया गया।

इस योजना के तहत मछली पालकों को 40 से लेकर 60 प्रतिशत तक शासकीय सहायता मिलेगी। योजना के क्रियान्वयन में 60 प्रतिशत राशि केन्द्र सरकार द्वारा और 40 प्रतिशत राशि राज्य सरकार द्वारा व्यय की जाएगी। बैठक में कलेक्टर ने मछली पालन को बढ़ावा देने के लिए शासकीय योजनाओं को व्यापक प्रचार-प्रसार करने और मछली पालन की नई तकनीकों से मछली पालकों को प्रशिक्षित कराने के भी निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने स्वीकृत की गई कार्य योजना के अनुसार जल्द से जल्द हितग्राही चयन कर निर्माण कार्य आदि शुरू कराने के निर्देश भी मछली पालन विभाग के अधिकारियों को दिए। जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक में जिला पंचायत के सीईओ अबिनाश मिश्रा, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में मत्स्य विशेषज्ञ, कृषि, जल संसाधन, लीड बैंक और मछली पालन विभाग के अधिकारियों सहित प्रगतिशील मत्स्य कृषक भी शामिल हुए।

बैठक में मछली उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने के लिए साढ़े तीन करोड़ रूपये की कार्य योजना का अनुमोदन किया गया। इस राशि में जिले में 4 नई मीठे पानी की फिनफिश हैचरी की स्थापना, 11 नये बीज उत्पादक तालाबों का निर्माण, 11 नये ग्रो आउट तालाबों के निर्माण के साथ इनमें स्केंपी, पंगासियस, तिलापिया आदि मछलियों के कम्पोजिट उत्पादन के लिए आदान सामग्रियों आदि के लिए मछली पालकों को सहायता दी जाएगी। बैठक में मछली पालक पालकों की आय बढ़ाने के लिए सजावटी मछलियों के उत्पादन-संवर्धन और नई तकनीकों का उपयोग कर मछली उत्पादन को बढ़ाने के लिए भी कार्य योजना का अनुमोदन किया गया। सजावटी मछली पालन के लिए 14 नई इकाईयों की स्थापना को मंजूरी दी गई। इसके साथ ही 30 छोटे मध्यम आकार की बायोक्लाक और बैटयाड मिनी आरएएस इकाईयों की स्थापना के लिए 6 करोड़ 27 लाख रूपये की कार्य योजना को भी बैठक में अनुमोदित किया गया। मछली पालन के लिए बुनियादी ढांचे को सुदृण करना और मछली के समुचित रखरखाव के लिए पोस्ट हारवेस्ट प्रबंधन पर भी लगभग 20 करोड़ रूपये की कार्य योजना का अनुमोदन बैठक में किया गया।

ऐल्यूमिनियम के बर्तनों के उपयोग पर प्रतिबंध के आदेश को कैट ने वापिस लेने की मांग की- अमर पारवानी

श्रीकंचपनथ न्यूज

रायपुर। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी, चेयरमेन मगेलाल मालू, अमर गिदवानी, प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वाशु माखीजा, महामंत्री सुरिन्द्रर सिंह, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन, एवं कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने बताया कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने एल्युमीनियम के बर्तनों में खाना पकाने के दुष्प्रभावों को लेकर एक सर्कुलर जारी किया है।

यह परिपत्र केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय को इस आशय के साथ भेज दिया गया है की वो पूरे भारत में अपनी मिड डे मील योजनाओं में एल्युमीनियम के बर्तनों के उपयोग पर प्रतिबंध लगाये। इस सरकुलर को देश के ऐल्यूमिनियम व्यापार के प्रति विपरीत प्रभाव एवं इस व्यापार पर पड़ने वाले दूरगामी नतीजों को ध्यान में रखते हुए कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स तथा ऑल इंडिया ऐल्यूमिनियम यूटेंसिल्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडवीया तथा केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण को एक पत्र भेजकर इस सर्कुलर के औचित्य पर सवाल उठाते हुए इस सर्कुलर को वापिस लेने का आग्रह किया है। कैट ने इस मुद्दे पर विस्तार से बातचीत करने के लिए मांडवीय एवं राजेश भूषण से मिलने का समय भी माँगा है।

कैट के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी एवं प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी ने बताया कि कैट एवं ऑल इंडिया ऐल्यूमिनियम यूटेंसिल्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ने कहा की सरकार के आदेश से एल्युमीनियम बर्तन उद्योग पर बहुत बड़ा असर पड़ेगा। उन्होंने कहा की एक तरफ़ तो ऐल्यूमिनियम से बने प्रेशर कुकर एवं अन्य बरतों को बीआईएस की परिधि में लाया गया है, ऐसे में केवल मिड डे मील के लिए ऐल्यूमिनियम के बर्तनों का उपयोग हानिकारक कैसे हो गया, यह समझ से परे की बात है। देश की एक बहुत बड़ी जनसंख्या आज भी इन बर्तनों के सस्ता होने के कारण इनका उपयोग करती है।

देश में हर कोई स्टेनलेस स्टील अथवा क्राकरी का इस्तेमाल नहीं कर सकता है ऐसे में इन बर्तनों के उपयोग पर प्रतिबंध लगाना न्यायसंगत नहीं है। उन्होंने यह भी कहा की आज मिड डे मील के लिए उपयोग में लाने वाले बर्तनों पर रोक लगी है तो कल यही रोक सभी प्रकार के ऐल्यूमिनियम के बर्तनों पर भी लग सकती है। इस बारे में स्टेकहोल्डर्स से कोई सलाह मशवरा नहीं किया गया । श्री पारवानी एवं श्री दोशी ने कहा की एल्युमीनियम कुकवेयर में खाना पकाना हमारे स्वास्थ्य के लिए किसी भी तरह से हानिकारक नहीं है। वास्तव में, यह खाना पकाने के लिए सबसे अच्छी धातु है एवं इसको प्रमाणित करने के लिए टेस्ट रिपोर्ट सहित अन्य दस्तावेज उपलब्ध है। ऐल्यूमिनियम के बर्तन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं, ये अफवाहें मुख्य रूप से प्रतिस्पर्धी धातुओं के बर्तनों के निर्माताओं द्वारा फैलाई गई प्रतीत होती हैं। देश में गरीब लोग ऐल्यूमिनियम बर्तनों का ही उपयोग करते हैं , इस बात को क़तई भूलना नहीं चाहिए।

भव्य एवं गरिमामय ढंग से आयोजित हो स्वतंत्रता दिवस समारोह - कलेक्टर

बालोद। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने कहा कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी बालोद जिले में 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन भव्य एवं गरिमामय ढंग से सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर शर्मा आज संयुक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को उक्ताशय के निर्देश दिए हैं। सभी शासकीय एवं अर्द्धशासकीय कार्यालयों के अलावा जिले के सभी स्थानों में स्वतंत्रता दिवस समारोह के सफल आयोजन हेतु सभी तैयारियाँ सुनिश्चित करने के निर्देश जिले के सभी अधिकारियों को दिए हैं। बैठक में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. रेणुका वास्तव, अपर कलेक्टर शशांक पाण्डेय सहित जिले के सभी राजस्व अनुविभागीय अधिकारियों के अलावा जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

खास-खबर

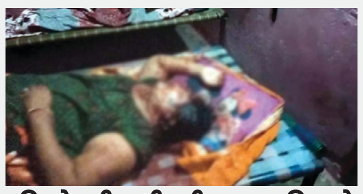

पति ने की पत्नी की हत्या, फिर दे दी अपनी जान

कोरबा (ए)। जिले से सनसनीखेज मामला सामने आया है। सीएसईबी चौकी अंतर्गत खबरभट्टा बस्ती में एक पति ने पत्नी पर धारदार हथियार से हमला कर उसे मौत के नींद सुला दिया। फिर खुद फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। यह मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार, सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत खबरभट्टा बस्ती में पति ने पत्नी पर धारदार हथियार से हमला कर मौत के घाट उतार दिया और खुद को घर के आंगन में फांसी के फंदे पर लटका लिया। घटना के बाद बस्ती में सनसनी फैल गई। इस घटना की सूचना देर रात लगभग 3 बजे डायल 112 की टीम को दी गई। बताया जा रहा है कि पति-पत्नी एक कमरे में सोए हुए थे। वहीं चार बच्चे दूसरे कमरे में सोये हुए थे। तभी देर रात लगभग 3 बजे आरोपी सैयाद सलीम (52 वर्ष) ने खौफनाक कदम उठाते हुए अपनी पत्नी आइसा बेगम (40 वर्ष) की धारदार हथियार से हत्या कर दिया और उसके बाद खुद आत्महत्या कर लिया।

घटना की सूचना पर सिविल लाइन पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने कमरे को सील कर दिया है और जांच में जुट गई है। घटनास्थल पर फॉरेंसिक एक्सपर्ट और डॉग स्क्वायड को भी बुलाया गया है। इस हत्याकांड का कारण पता नहीं चल सका है। फिलहाल जांच जारी है।

महिला का युवक पर आया दिल पति व बच्चों को छोड़कर भागी

जांजगीर-चाम्पा (ए)। आंगनबाड़ी सहायिका अपने पति और दो बच्चों को छोड़कर गांव के एक युवक के साथ चली गई। युवक ने अपनी पत्नी के भाग जाने के मामले में कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक से शिकायत की है और अपनी पत्नी के साथ युवक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। मामले में पुलिस अधीक्षक ने नवागढ़ थाना प्रभारी को जांच के निर्देश हैं। नवागढ़ थाना क्षेत्र ने केरा गांव का रहने वाला अरुण कुमार बंजारे अपनी पत्नी की बेवफाई और पड़ोसी युवक के साथ भागने के मामले में शिकायत करने कलेक्टर और एसपी कार्यालय पहुंचा और उसने बताया कि उसकी शादी 2010 में गांव की ही लड़की अनीता के साथ हुई और उनका एक बेटा और बेटी भी है।

बता दें कि, अरुण रोजी मजदूरी करके अपनी पत्नी को नौकरी के लिए प्रेरित किया और 2016 में आंगनबाडी सहायिका के पद मे चयन हुआ, जिसके बाद पति-पत्नी मिलकर बच्चों की परवरिश कर रहे थे। अचानक 21 जुलाई 2023 को उसकी पत्नी ड्यूटी जाने के नाम पर निकली और फिर वापस नहीं आई।

कांकेर में करोड़ों का सट्टा खिलाने वाले 8 गिरफ्तार

कांकेर (ए)। जिले के पखांजूर थाना क्षेत्र में ऑनलाइन सट्टा मामले में पुलिस ने बड़ी कार्यवाही की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार अधिक लाभ कमाने की नियत से एचडीएफसी बैंक पखांजूर एवं कांकेर में खाता खुलवाकर बैंक पासबुक, चेक, एटीएम एवं मोबाइल के माध्यम से सट्टा का काला कारोबार चलाया जा रहा था।

सूचना पर पुलिस ने एक आरोपी को पकड़कर पूछताछ की। निशानदेही पर कारोबार में संलिप्त कुल 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के पास से 92 हजार रुपए नगद, 8 नग मोबाइल, 3 नग चेक भी जब्त किया गया है। पुलिस ने आठ खातों को सीज किया है। वहीं अभी भी 5 आरोपी फरार है, जिनकी पुलिस तलाश कर रही है।

पुलिस के हत्थे चढ़े झारखंड के कुख्यात बदमाश इंजीनियर से मांगी थी 20 लाख रुपए प्रोटेक्शन मनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। मुंबई की तर्ज पर छत्तीसगढ़ में भी प्रोटेक्शन मनी की डिमांड का मामला सामने आया है। जशपुर के एक इंजीनियर से 20 लाख रुपए लेवी के तौर पर मांगे गए। इंजीनियर की शिकायत पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू की। लंबी तलाश के बाद पुलिस ने झारखंड से दो कुख्यात बदमाशों को गिरफ्तार किया है। झारखंड पुलिस के सहयोग से दोनों को गिरफ्तार कर छत्तीसगढ़ लाया गया। मंगलवार को इस पूरे मामले का एसपी जशपुर ने खुलासा किया। मामला कुनकुरी थाना क्षेत्र का है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार लगभग एक सप्ताह पहले 23 जुलाई को फिकरो राम यादव ने कुनकुरी थाना पहुंचकर बताया कि एक अज्ञात मोबाईल नंबर से उसे फोन आया। कॉलर ने बोला कि तुम्हारा बेटा कुनकुरी PHE विभाग में इंजीनियर है और काफी झोल कर रहा है। वो बहुत बड़ा इंजिनियर है, 20 लाख रुपए जमा करो नहीं तो पूरे परिवार को जान से मार देंगे। प्राथी की शिकायत के बाद पुलिस ने धारा 384, 506, 120बी के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की।

जांच के दौरान सायबर सेल जशपुर के मदद से अज्ञात फोन एवं नम्बर की पतासाजी की गई। उक्त नंबर झारखण्ड के कुरडेग क्षेत्र के गांव गडियाजोर निवासी सूरज यादव नाक का युवक का है। इसके बाद पुलिस ने पर गडियाजोर में सूरज यादव के घर पर रेड की। सूरज यादव को हिरासत में लेकर फोन जब्त किया गया। पूछताछ में उसने बताया कि उसके साथी प्रहलाद सिंह ने अपने नम्बर से उसके फोन में सिमकार्ड डालकर इंजिनियर उत्पल यादव से 20 लाख रुपए की डिमांड की। इसके बाद पुलिस ने गांव जपकाकोना से प्रहलाद सिंह को भी गिरफ्तार किया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। पूरी कार्रवाई में प्रशिक्षु डीएसपी भानु प्रताप चन्द्राकर, उप निरीक्षक एलआर चैहान थाना प्रभारी कुनकुरी, एएसआई जयनंदन मार्बल प्रधान आरक्षक मोहन बंजारे, राजेश कुजूर, आरक्षक प्रमोद रौतिया, अमित एक्का, पूनम यादव, चन्द्रशेखर बंजारे, संजय लकड़ा, चालक नरसिंह सोनवानी, संतु राम यादव आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आरोपियों को नक्सली कनेक्शन भी खुला

पूछताछ के दौरान पुलिस को प्रहलाद सिंह ने बताया कि सन् 2003 मे उसके गांव मे नक्सलियों का आना जाना था जिससे उसका परिचय उनसे हुआ। गांव मे नक्सलियों के लिये सूचना इक्ट्ठा करना, आवश्यक वस्तु उपलब्ध कराना आदि कार्य करता था। सन् 2004 में थाना कोलेबिरा जिला सिमडेगा (झारखंड) में इसके उपर धारा 307, 34, धारा 17 सीएलए एक्ट (नक्सली गतिविधियों में शामिल होने के कारण) का मामला दर्ज हुआ। 2008 में थाना जलडेगा जिला जिला सिमडेगा (झारखंड) में धारा 147, 148, 149, 347, 342, 324, 326, 307, 333, 353, 427, 120(बी) भा.द.वि. धारा 27 आर्म्स एक्ट धारा 17 सीएलए एक्ट का मामला दर्ज हुआ।

2018 में थाना केरसई जिला जिला सिमडेगा (झारखंड) में धारा 435, 34 के मामले में करंगागुड़ी मे रोड़ निर्माण मे लगे जेसीबी का लेवी न देने के कारण जला देने का मामला दर्ज हुआ। 2018 में ही थाना केरसई जिला सिमडेगा (झारखंड) में धारा 414, 34, धारा 25(1-बी), 26, 35 आर्म्स एक्ट का मामला भी दर्ज हुआ। आरोपी ने बातया कि जेल में रहने के दौरान उसकी पहचान सूरज यादव से हुई। सूरज यादव के उपर 2016 में थाना कुरडेग जिला सिमडेगा (झारखंड) में धारा 386, 387, 506 के तहत अपराध दर्ज हुआ था। 2018 में थाना केरसई जिला सिमडेगा (झारखंड) में धारा 385, 387 का अपराध व इसी साल थाना केरसई में धारा 25(1-बी) 26, 35 आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज हुआ। सूरज यादव क्षेत्र का शातिर बदमाश है।

छत्तीसगढ़ में आदिवासी महिला से गैंगरेप

अकेला पाकर महिला से की जबरदस्ती, सभी आरोपी फरार

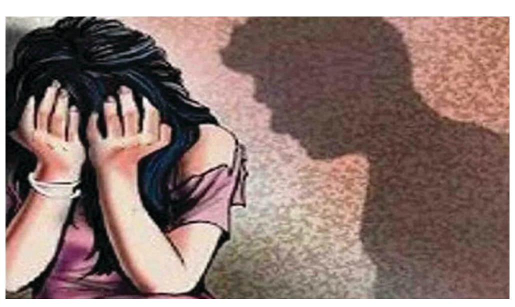

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में आदिवासी महिला के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। यहां के नैमेड थाना क्षेत्र में बाजार गई महिला को अकेला पाकर तीन लोगों ने सामूहिक दुष्कर्म किया और फरार हो गए। पीड़िता की पुलिस को तहरीर देकर शिकायत की है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को गदामल्ली की एक महिला नैमेड बाजार आई थी। महिला दोपहर 3 से 4 बजे के बीच जब बाजार से करीब सौ मीटर दूर झाड़ियों की तरफ शौच के लिए गई। इसबीच तीन लोगों ने महिला को अकेला देखकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। घटना को अंजाम देने के बाद वहां से वे फरार हो गये। पीड़िता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। उन्होंने बताया कि पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

हाईवा ने बाइक सवार को रौंदा, युवक की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग शहर में गिट्टी से लोड हाईवा ने एक बाइक सवार कौ रौंद दिया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बाइक सवार के ऊपर से हाईवा गुजरने से उसके शरीर के चीथड़े उड़ गए। उसका सिर पूरी तरह से कुचल गया था। पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेजा है।

मंगलवार देर शाम 7.30 से 8 बजे के बीच गिट्टी से लोड हाईवा ने बोरसी रोड पर शुभम भट्ट (32) को अपनी चपेट में ले लिया। उसने बाकायदा ट्रैफिक नियमों का पालन करते हुए हेलमेट भी पहना था। जैसे ही वो बाइक से महाराजा चौक के पास पहुंचा वाहन उसे रौंदते हुए उसके ऊपर से गुजर गया। शुभम की मौके पर ही जान चली गई। हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने हाईवा को जब्त कर लिया है।

नो एंट्री में भी भारी वाहनों पर नहीं लगाई जा रही रोक

मृतक के परिजनों का कहना है कि दुर्ग शहर में शाम के समय अधिक भीड़ होने से यहां नो एंट्री कर दी जाती है। ट्रैफिक पुलिस की ड्यूटी होती है कि वो आवश्यक वस्तुओं से भरे ट्रक के अवाला किसी भी भारी वाहन को शहर के अंदर प्रवेश न दें। इसके बाद शहर में धड़ल्ले से हैवी व्हीकल पार होते हैं। इस पर दुर्ग पुलिस का कहना है कि वो पता लगाएगी कि नो एंट्री में भारी वाहन कैसे आया। इसके लिए ट्रक मालिक और चालक पर कार्रवाई की जाएगी।

कुछ महीने पहले ही हुई थी शादी

परिजनों ने बताया कि शुभम टेंट हाउस में काम करता था। कुछ महीने पहले ही उसकी शादी हुई थी। शादी से घर के सभी लोग काफी खुश थे। ये खुशी अधिक लंबी नहीं चली और एक लापरवाही ने उसे मातम में बदल दिया।

कोरबा में काम से लौट रहा युवक पुल से गिरा, मौके पर मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कटघोरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत रजकम्मा गांव में 25 फीट नीचे पुल में गिरने से बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई। मृतक का नाम मनीष कुमार है, जो सड़क निर्माण में लगे डीबीएल कंपनी में कार्यरत था। मृतक पर जब लोगों की नजर पड़ी तब पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बाइक सवार युवक पुल से कैसे इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है।

कटघोरा थाना प्रभारी अश्वनी राठौर ने बताया कि मृतक बिहार का रहने वाला है और कंपनी में काम कर रहा था। कंपनी द्वारा आवंटित किराए के मकान पर रहकर वह ड्यूटी कर रहा था। वह किसी काम से घर वापस लौट रहा था, इस दौरान यह हादसा हुआ। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के परिजनों को इसकी सूचना दी गई है। मृतक के परिजनों का बयान दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बीटेक की पढ़ाई और बाइक चोरी को बनाया प्रोफेशन रायपुर पुलिस की पकड़ में आया इंजीनियर चोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में इंजीनियर बाइक चोर पकड़ाया है। शातिर युवक ने बीटेक की पढ़ाई की और चोरी का प्रोफेशन चुन लिया। युवक ने शहर के अलग अलग थाना क्षेत्र में 40 से अधिक बाइक पार किए। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर उसके पास से 16 बाइक बरामद किया है। इस पूरे मामले का एसपी प्रशांत अग्रवाल ने मंगलवार को खुलासा किया।

एसपी ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि पुलिस ने राहुल वर्मा नाम के युवक को गिरफ्तार किया है। राहुल वर्मा ने बी टेक किया है। पढ़ाई के बाद उसने नौकरी भी की लेकिन नौकरी छोड़कर बाइक चोरी के प्रोफेशन में घुस गया। राहुल वर्मा के खिलाफ थाना सिविल लाइन, आजाद चौक, न्यू राजेन्द्र नगर, देवेन्द्र नगर, खम्हारडीह, कोतवाली, सरस्वती नगर, पंडरी और थाना जीआरपी रायपुर में अपराध कायम है।

जहां पेट्रोल खत्म होता वहीं छोड़कर दूसरी बाइक चुरा लेता था शातिर

एसपी अग्रवाल ने बताया कि चोर इतना शातिर है कि बाइक चुराने के बाद पेट्रोल खत्म होने पर बाइक वहीं छोड़कर दूसरी बाइक चुरा लेता था। गिरफ्तारी के बाद आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने अलग अलग जगह से बाइक बरामद किया। आरोपी से अन्य चोरी की बाइक के बारे में पूछताछ की जा रही है। आरोपी के खिलाफसिविल लाइन पुलिस द्वारा आगे की कार्रवाई की जा रही है।

।। कार्यालय नगरपालिकनिगम, दुर्ग ।।

EmailId:-durgmc 2019 @gmail.comPhone:- 0788-2322148

–:: निविदा आमंत्रण सूचना ::–

क्रमांक/348/स्वा0वि0/2023 दिनांक 1/8/23

डोर टू डोर कचरा कलेक्शन का कार्य हेतु उपयोगी 35 मैन्युअल रिक्शा में चारो तरफ की चादर बदली कर नई चादर लगाने का कार्य हेतु पंजीकृत विक्रेता/प्रदायकर्ता से पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट के माध्यम से लिफाफा पद्धिति में निविदा आमंत्रित की जाती है ।

आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि – 7-8-23
निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि – 14-8-23
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि – 22-8-23
निविदा खोलने की अंतिम तिथि – 23-8-23
(समय संध्या–04:00 बजे)

क.	कार्य का नाम	लागत (रू.लाख)
1.	35 नग मैन्युअल रिक्शा मरम्मत कार्य	2.00

निविदा की सामान्य शर्ते धरोहर राशि निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है अथवा विभागीय वेबसाइट www.municipalcorporationdurg.in से भी डाउनलोड की जा सकती है ।

कार्यपालन अभियंता

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
रायपुर से कम दामों में
WholeSaler & Retailer
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

महापौर व आयुक्त ने शहर में चल रहें विकास कार्य और सौंदर्यीकरण कार्यो का किया निरीक्षण

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत विधायक अरुण वोरा के निर्देश पर आज महापौर धीरज बाकलीवाल और आयुक्त लोकेश चन्द्राकर द्वारा जनहित में जनसुविधा विस्तार के लिए किये जा रहे विकास व सौंदर्यीकरण के कार्यो की प्रगति का प्रत्यक्ष निरीक्षण अधिकारी व ठेकेदारो के साथ किया।महापौर व आयुक्त ने गंजपारा से लेकर शिवनाथ नदी महमरा सड़क मार्ग पर सड़क चौड़ीकरण कार्यो को लेकर कार्य मे तेजी लाने की बात अधिकारियों से कही।उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी कार्य सतत मॉनिटरिंग करते हुए तय समय सीमा के भीतर गुणवत्तायुक्त तरीके से पूर्ण करवाया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।उसके बाद गौरवपथ का निरीक्षण कर गौरवपथ के दोनों किनारे बड़ी तादाद में फलदार एवं छायादार पौधे रोपे जाने हेतु निर्देशित किया गया।निरीक्षण कर जायजा लेने के बाद महापौर धीरज बाकलीवाल एवं आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ग्रीन चौक पहुँचकर ग्रीन चौक में सौंदर्यीकरण और चार मूर्तियों के निर्माण कार्यो में जल्द शुरू कर कार्य मे प्रगति लाने को कहा।निरीक्षण के मौके पर लोक कर्म प्रभारी अब्दुल गनी,कुलेश्वर साहू,कार्यपालन अभियंता दिनेश नेताम,सहायक अभियंता जितेंद्र समैया,संजय ठाकुर,हरिशंकर साहू,स्वेता महलवार और ठेकेदार आदि मौजूद रहें।महापौर व आयुक्त ने शहर क्षेत्र में बचे हुए कार्यो को अधिकारी समय - समय पर अवलोकन कर तय सीमा पर कार्यो को करवाये।

वजन त्यौहार: 13 अगस्त तक चलेगी मुहिम

पाटन। नगर पंचायत पाटन में 1 से 13 अगस्त तक वजन त्यौहार का आयोजन किया गया है। वजन त्यौहार में 6 वर्ष तक के बच्चों के वजन की जांच की जाएगी। इससे बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण-कुपोषण के संबंध में जानकारी मिल पाएगी। इससे आगे बच्चों का इलाज किया जा सकता है। आयोजन का पहला दिन होने के कारण रैली निकाली गई। अध्यक्ष भूपेन्द्र कश्यप ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। कश्यप ने अपील किया कि 6 वर्ष तक के बच्चों का वजन संबंधित आंगनबाड़ियों में किया जाना है। इसका लाभ अवश्य उठाएं और अपने बच्चों का वजन जांच करवाएं। इससे बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण-कुपोषण संबधित जानकारी प्राप्त होगी।

स्वास्थ्य कार्यकर्ता की सेवानिवृत्ति पर सम्मान

पाटन। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रानीतराई में असिस्टेंट कुष्ठ कार्यकर्ता के पद पर सेवाएं देने वाले टीआर साहू के सेवानिवृत्त होने पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बीएमओ डॉ. आशीष शर्मा ने बताया कि लगातार 29 वर्ष तक एक ही स्थान पर सेवाएं प्रदान करना संबंधित कर्मचारी के आदर्श व्यवहार और कुशल कार्य करने की शैली की अनूठी मिसाल है। बीएल वर्मा और विशेष अतिथि सैय्यद असलम ने कहा कि कुष्ठ रोगी की पहचान, खोज ओर दवा सेवन करने में टीआर साहू की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। बीएमओ ने विदाई समारोह में शाल, श्रीफल और बैग प्रदान कर साहू को सम्मानित किया। इस अवसर पर देवकी सिन्हा सुमित्रा बोकासे, ए दत्ता, आर विश्वास, सैय्यद रिजवान, संदीप चंद्राकर, शुभम चंद्रकार, कपिल भोसले, राकेश सार्वा, अजय साहू आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखा पत्र

प्रधानमंत्री आवास की लक्ष्य पूर्ति की ओर आकृष्ट किया ध्यान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत प्रतिक्षा सूची के शेष आवासों के लिए लक्ष्य आबंटित करने का अनुरोध किया है। मुख्यमंत्री ने इसके साथ ही प्रधानमंत्री जी से प्रदेश में आवास प्लस के 8 लाख 19 हजार 999 हितग्राही परिवारो के लिए भी लक्ष्य आबंटित करने का अनुरोध किया है।

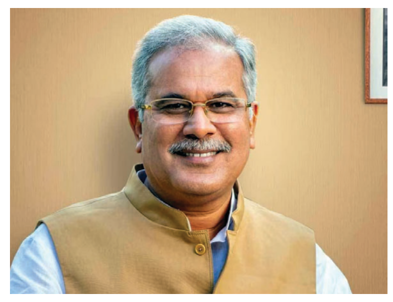

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पत्र में लिखा है कि प्रदेश में वर्तमान में प्रधानमंत्री आवास योजनातर्गत कुल 18,75,585 हितग्राही भारत सरकार की सामाजिक- आर्थिक जाति जनगणना-2011 (स्श्वष्टष्ट-2011) की स्थायी प्रतीक्षा सूची ग्रामीण में दर्ज है। उपरोक्त सूची से वर्ष 2016-2023 तक कुल 11,76,146 हितग्राहियों को आवास की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। स्वीकृति पश्चात् योजना में लगभग 73.5 प्रतिशत (8,63,567) आवास निर्माण सफलतापूर्वक पूर्ण किया जा चुका है। इस प्रकार स्थायी प्रतीक्षा सूची 6,99,439 लक्ष्य प्राप्ति हेतु शेष है। यह भी कि वर्ष 2021-22 हेतु आवंटित 7,81,999 आवास के लक्ष्य को भारत सरकार द्वारा वापस ले लिया गया। इस लक्ष्य को राज्य को पुन: आवंटित करने हेतु राज्य शासन के पत्र क्रमांक 5026 दिनांक 18.08.2022 के माध्यम से भारत सरकार को इन आवास को किश्तों में देने का अनुरोध किया गया है, किन्तु भारत सरकार की ओर से कृत कार्यवाही की जानकारी आज दिनांक तक अपेक्षित है। मात्र वर्ष 2022-23 में 79,000 आवास का ही लक्ष्य दिया गया है।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में कहा है कि मैं आपका ध्यान इस ओर आकृष्ट करना चाहूंगा कि कोविड-19 की विषम परिस्थितियों के बावजूद भी छत्तीसगढ़ राज्य आवास पूर्णता की दिशा में राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी रहा है। प्रारंभ से अब तक प्रधानमंत्री आवास योजना हेतु औसत वार्षिक व्यय अपने अनुमानित वार्षिक बजट की तुलना में राज्य का प्रदर्शन बेहतर परिलक्षित हुआ है। कृपया इस तथ्य से भी अवगत होवें कि राज्य सरकार के द्वारा वर्ष 2020-21 एवं 2022-23 में स्वीकृत 2,36,813 आवासों को पूर्ण करने के लिये वर्ष 2023-24 के बजट में राशि रूपये 3238.00 करोड़ का प्रावधान किया गया है, जिसमें राशि रूपये 674.75 करोड़ का आवंटन जारी किया जा चुका है। हितग्राहियों को प्रथम किश्त राशि रूपये 285.33 करोड़, द्वितीय किश्त राशि रूपये 270.66 करोड़, तृतीय किश्त राशि रूपये 78.77 करोड़ एवं चतुर्थ किश्त राशि रुपये 19.20 करोड़ भी उनके खाते में हस्तांतरित किया जा चुका है।

श्री बघेल ने पत्र में लिखा है कि भारत सरकार से स्थायी प्रतीक्षा सूची के 6,99,439 आवास लक्ष्य प्राप्त न होने के कारण प्रदेश सरकार द्वारा स्वीकृति जारी नहीं की जा सकी, फलस्वरूप आवास प्लस के 8,19,999 हितग्राहियों को भी स्वीकृति प्रदान नहीं किया जा सका। अत: मेरा अनुरोध है कि उपरोक्त शेष आवासों के अतिरिक्त राज्य को आवास प्लस का भी लक्ष्य प्रदाय किये जायें। साथ में अवगत कराना चाहता हूँ कि छत्तीसगढ़ अपने सीमित संसाधनों के साथ प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी में सराहनीय प्रदर्शन किया है 2,62,677 स्वीकृत आवास के विरूद्ध 51त्न आवास पूर्ण है एवं शेष प्रगतिरत् है। राज्य सरकार ने इन आवास में लगने वाले राज्यांश राशि रूपये 2,706,69 करोड़ के विरूद्ध 2.389.07 करोड अर्थात 88 प्रतिशत राशि उपलब्ध करा दी है। इस प्रकार प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी में भी राज्य का प्रदर्शन सराहनीय है, अतएव उपरोक्त तथ्यों के दृष्टिगत पुन: आग्रह है कि विद्यमान स्थायी प्रतीक्षा सूची में शामिल 6,99,439 परिवारों के साथ-साथ, आवास प्लस के 8,19,999 परिवार के लिये भी राज्य सरकार को लक्ष्य प्रदान किये जायें।

अंगदान महोत्सव पर केन्द्रित पोस्टरों की प्रदर्शनी का उद्घाटन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के जेएलएन चिकित्सालय और जनसंपर्क विभाग के संयुक्त तत्वाधान में सिविक सेंटर स्थित, नेहरु आर्ट गैलरी में 31 जुलाई, 2023 को अंगदान महोत्सव 2023 पर केन्द्रित पोस्टरों की प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया है। पोस्टर प्रदर्शनी का उद्घाटन समारोह भिलाई महिला समाज की अध्यक्ष श्रीमती त्रिपर्णा दासगुप्ता के मुख्य आतिथ्य में संध्या 5 बजे सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम के अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि श्रीमती त्रिपर्णा दासगुप्ता ने भिलाई इस्पात संयंत्र के चिकित्सा विभाग को इस पहल के लिए शुभकामनाएं प्रदान करते हुए कहा कि हम आगे भी ऐसे पहल करते रहना है। अंगदान एक पुण्य का काम है और हम सबको इसके लिए आगे आना चाहिए। इस कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ रविंद्रनाथ एम, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ प्रमोद बिनायके, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ विनीता द्विवेदी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ राजीव पाल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ कौशलेन्द्र ठाकुर समेत वरिष्ट चिकित्सकगण और अन्य मेडिकल स्टाफ व जनसाधारण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत गुब्बारे छोड़कर किया गया। इसके बाद नेहरु आर्ट गैलरी में दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम को गति प्रदान की गयी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ रविंद्रनाथ एम ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि अंगदान महादान है। हमारे देश में वर्तमान में लाखों लोगों को अंगों की जरूरत है किंतु उसमें से केवल 10: की उपलब्धता ही देश के पास है। इसलिए हम सब को अनुदान के लिए बढ़-चढ़कर आगे आना होगा। उन्होंने चिकित्सा विभाग को इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए धन्यवाद दिया और शुभकामनाएं प्रदान की।

इसी कड़ी में मुख्य अतिथि के द्वारा पोस्टर प्रदर्शनी के विजेताओं (विभिन्न विभाग की टीम) को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। साथ ही सहयोगी विभागों, नियमित मेडिकल स्टाफ अंगदाताओं और उपस्थित सभी मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके पश्चात मुख्य अतिथि समेत उपस्थित सभी जनों ने चयनित पोस्टरों की प्रदर्शनी का जायजा लिया।

ज्ञात हो कि इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती त्रिपर्णा दासगुप्ता की माता सेक्टर 09 स्थित जेएलएन चिकित्सालय में छत्तीसगढ़ के पहले स्किन बैंक की पहली दाता रहीं हैं। जो कि न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पुरे सेल अस्पतालों में की गयी पहली पहल है। साथ ही श्रीमती त्रिपर्णा दासगुप्ता द्वारा अपनी माता की आँखे भी दान की गई है। इस पहल में बीएसपी चिकित्सा विभाग की ओर से अंगदान की घोषणा सर्वप्रथम डॉक्टर माला ने की। कार्यक्रम में अंगदाता सतीश भटगाकर और एक अंगग्राही परमेश्वर सिक्का भी उपस्थित थे जिन्होंने अपनी आपबीती सबके समक्ष साझा की। परमेश्वर ने बताया की संयंत्र में कार्य के दौरान एक हादसे का शिकार हो गए थे जिसमें उनका 85 प्रतिशत शरीर आग में जल चूका था। उचित उपचार और स्किन बैंक की उपलब्धता से उन्हें नया जीवन प्राप्त हुआ।

विद्युत विभाग ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को दी भावभीनी विदाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, दुर्ग के क्षेत्रीय मुख्यालय में कार्यरत मुख्य सुरक्षा सैनिक हीर राज साहू के सेवानिवृत्त होने पर कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें भावपूर्ण विदाई दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अभियंता एम. जामुलकर, अतिरिक्त मुख्य अभियंता एच.के.मेश्राम, अधीक्षण अभियंता सलिल कुमार खरे द्वारा साहू को शॉल-श्रीफल, प्रमाण पत्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अभियंता एम. जामुलकर ने कहा कि मृदुभाषी, सहज एवं सौम्य व्यक्तित्व के धनी साहू अपने 36 वर्षो की सेवाकाल की अवधि में बिजली कंपनी में अपने कार्य के प्रति सजग एवं तत्पर रहे। उन्होंने जीवन के नये अध्याय की शुरुआत के लिए साहू को शुभकामनाएं दी। एच.के.मेश्राम एवं सलिल खरे सहित उपस्थित सहयोगियों ने भी श्री साहू की व्यक्तित्व की तारीफ करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। सेवानिवृत्त हो रहे श्री साहू ने अपने कार्यकाल के अनुभव साझा करते हुए सेवाकाल के दौरान मिले सहयोग के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को धन्यवाद दिया। दुर्ग रीजन के अन्य कार्यालयों से भी कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए।

कार्यपालन यंत्री शहर संभाग दुर्ग से लाइन सहायक श्रेणी दो श्री राजेन्द्र कुमार चंद्रवंशी, कार्यपालन यंत्री शहर पूर्व संभाग भिलाई से परिचारक श्रेणी एक लाइन प्रीतम एवं जुनियर सुपरवाईजर टेस्टिंग खिलावन सिंह चन्द्राकर तथा कार्यपालन यंत्री संचारण-संधारण संभाग बेमेतरा से रमन दास वैष्णव सेवानिवृत्त हुए।

साइंस कॉलेज दुर्ग में विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस मनाया गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। महाविद्यालय के प्राचार्य के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना ,रेड क्रॉस सोसाइटी तथा वनस्पति शास्त्र विभाग द्वारा विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने प्रकृति और पर्यावरण को बचाने का संकल्प लिया । कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ अनुपमा अस्थाना ने कहा कि हमें पूरे विश्व को प्रदूषण से मुक्त रखना है इसके लिए हमें हमेशा तत्पर होना पड़ेगा। इस अवसर पर प्राचार्य द्वारा सभी विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को विश्व प्रकृति संरक्षण हेतु शपथ ग्रहण कराया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के बहुत से प्राध्यापक एवं कर्मचारी उपस्थित थे जिनमें प्रमुख रूप से डॉ के पद्मावती , डॉ आर एस सिंह, डॉ विजय लक्ष्मी नायडू, राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी प्रो जनेंद्र कुमार दीवान, रेड क्रॉस प्रभारी मोतीराम साहू इस अवसर पर उपस्थित थे। कार्यक्रम में इस अवसर पर विद्यार्थियों ने महाविद्यालय परिसर में करंज नीम तथा अमरूद जैसे पौधों का रोपण भी किया। इस अवसर पर कार्यक्रम को सफल बनाने में एनएसएस स्वयं सेवकों में मृदुल, सतेक, खुमेंद्र, तथा वानस्पति शास्त्र के छात्रों का विशेष योगदान रहा ।

जलजनित बिमारियों के रोकथाम लिए किया जा रहा घर घर सर्वे

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम क्षेत्र में जलजनित बिमारियों के रोकथाम के लिए संपूर्ण क्षेत्र के घरो का सर्वेक्षण कर कूलर, बेकार में पड़े टायर प्लास्टिक के बॉटल, तथा कबाड़ सामग्री से पानी खाली कराकर मैलाथियान का छिड़काव व टेमिफॉस का वितरण किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग की विशेष टीम द्वारा लोगों को पानी उबालकर पीने बासी भोजन तथा सड़े गले फल का प्रयोग नहीं करने की समझाइश दी जा रही है।

महापौर नीरज पाल एंव आयुक्त रोहित व्यास के निर्देश पर निगम का स्वास्थ्य अमला निगम क्षेत्र में सघन अभियान चला कर जलजनित बीमारी डेंगू, मलेरिया, पीलिया से बचाव के लिए कार्य कर रही है। डेंगू एवं मलेरिया के नियंत्रण के लिए तथा मच्छर उन्मूलन के लिए कर्मचारी अलग-अलग वार्ड के क्षेत्रों में निरीक्षण करते हुए टेमिफॉस और मैलाथियान का छिड़काव कर रहे है। निगम की टीम घनी आबादी, निचली बस्ती में मच्छर उन्मूलन का अभियान चलाया रहे है। इस दौरान एडल्ट मच्छर की रोकथाम के लिए मेलाथियान का स्प्रे भी कर रहे है। इसके साथ ही जलजनित बीमारियों से बचाव हेतु जन जागरूकता के तहत लोगों को डेंगू, मलेरिया एवं पीलिया से बचाव के लिए पंपलेट का वितरण करते हुए प्रचार-प्रसार कर रहे है।

स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेन्द्र मिश्रा ने बताया कि सम्पूर्ण निगम क्षेत्र में जल जनित बिमारियों एवं डेंगू से रोकथाम हेतु निगम का अमला पन्द्रह हजार से अधिक घरो का सर्वे कर लोगो को विशेष रूप से डेंगू मलेरिया से बचाव के उपायों की जानकारी घर-घर पहुँच कर दे रहे है। बारिश के पूर्व से ही जल जनित बिमारियों से बचाव एवं रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा गठित टीम डेंगू की रोकथाम करने फॉगिंग, जलजमाव वाले स्थानों पर मैलाथियान, तथा घर घर टेमिफॉस का वितरण कर चुके है। सघन बस्ती में नालियों की जॉच कर मैलाथियान छिड़काव किया जा रहा है।

निगम द्वारा बीएसपी के जन स्वास्थ्य विभाग के उपमहाप्रबंध को पत्र लिखा है कि टाउनशिप क्षेत्र में डेंगू, मलेरिया, पीलिया सहित अन्य जलजनित बीमारियों के रोकथाम के लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। इन क्षेत्रों में भिलाई निगम द्वारा भी घर घर सर्वे कर आवश्यकता अनुरूप मैलाथियान का छिड़काव एवं टेमिफ ॉस का वितरण किया जा रहा है।

कृषि औजारों की पूजा, वृक्षारोपण, गेंड़ी दौड़, भौंरा चालन, पिट्ठुल, छत्तीसगढ़ी व्यंजन, छत्तीसगढ़ी वेशभूषा एवं रस्साकसी की प्रतियोगिताएं हुई

परमेश्वरी भवन में देवांगन समाज का सावन महोत्सव का हुआ रंगारंग आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। देवांगन जन कल्याण समिति भिलाई नगर के तत्वावधान में 30 जुलाई 2023 को प्रगति नगर, रिसाली स्थित 'परमेश्वरी भवन' में सावन महोत्सव का रंगारंग आयोजन संपन्न हुआ। इसके अंतर्गत प्रथम सत्र में हरेली उत्सव एवं द्वितीय सत्र में गीत संगीत पर आधारित कार्यक्रम एक शाम रफी के नाम का शानदार आयोजन हुआ। इन सभी कार्यक्रमों में देवांगन समाज की महिलाओं, पुरुषों एवं युवाओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।

सावन महोत्सव की शुरुआत देवांगन जन कल्याण समिति भिलाई नगर के अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन के मुख्य आतिथ्य में पारंपरिक कृषि में उपयोग आने वाले औजारों की सामूहिक पूजा से हुई। सावन महोत्सव के प्रथम सत्र में हरेली उत्सव के अंतर्गत अलग अलग समुहों में समाज के महिलाओं, पुरुषों एवं युवाओं ने परमेश्वरी भवन परिसर में 40 से अधिक छायादार एवं फूलदार पौधे रोपे और इनकी सुरक्षा का संकल्प लिया। इसके पश्चात गेंड़ी दौड़, भौंरा चालन, पिट्ठुल, छत्तीसगढ़ी व्यंजन, छत्तीसगढ़ी वेशभूषा एवं रस्साकसी की प्रतियोगिताएं हुई, जिसमें समाज लोगों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। समाज के अनेक शौकीन लोगों ने भी भवन परिसर में गेंड़ी चढ़ने का आनंद लिया। इस अवसर पर संपन्न गेंड़ी दौड़ प्रतियोगिता में युधिष्ठिर देवांगन प्रथम, होमलाल देवांगन द्वितीय एवं दयाराम देवांगन तृतीय स्थान पर रहे। पिट्ठुल प्रतियोगिता (पुरुष वर्ग) में उचित देवांगन प्रथम, हेमकैलाश देवांगन द्वितीय, दयाराम देवांगन तृतीय, (महिला वर्ग) में योगिता देवांगन प्रथम, शकुन्तला बांकुरे द्वितीय, जयश्री देवांगन तृतीय स्थान पर रहे। भौंरा चालन प्रतियोगिता में जुगलकिशोर देवांगन प्रथम, गजेन्द्र देवांगन द्वितीय एवं विनोद देवांगन तृतीय स्थान पर रहे। रस्साकसी प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में गजेन्द्र देवांगन की टीम एवं महिला वर्ग में जयश्री देवांगन की टीम विजेता रही। छत्तीसगढ़ी व्यंजन प्रतियोगिता में गायत्री देवांगन प्रथम, मधुबाला देवांगन द्वितीय, अदिति देवांगन एवं दीक्षा देवांगन तृतीय स्थान पर रहीं। छत्तीसगढ़ी वेशभूषा प्रतियोगिता में महिला वर्ग में भगवती देवांगन प्रथम, गायत्री देवांगन द्वितीय, नेकप्रभा देवांगन तृतीय स्थान पर रहे। पुरूष वर्ग में श्रवण देवांगन को विशिष्ट पुरस्कार दिया गया।

सावन महोत्सव के दूसरे सत्र में संध्या समय आयोजित एक शाम रफी के नाम कार्यक्रम में समाज के गायक-गायिकाओं द्वारा प्रसिद्ध गायक मोहम्मद रफ़ी के पुण्य तिथि की पूर्व संध्या पर उनके लोकप्रिय एवं सदाबहार गीतों की संगीतमय प्रस्तुतियों से दर्शक देर रात तक झूमते रहे। इनमें गायक रामगोपाल देवांगन, शिव देवांगन, गजेन्द्र देवांगन, लक्ष्मीनाथ देवांगन, प्रकाश देवांगन, राजू देवांगन, श्रीमती विनीता देवांगन एवं कु. पायल देवांगन ने अपनी गायकी से खूब तालियां बटोरी।

सेवानिवृत्ति कर्मचारियो के उज्ज्वल व सुखद भविष्य की कामना की

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम परिसर में कार्यक्रम का आयोजन कर सेवानिवृत्ति कर्मचारियो को विदाई दी गई। विधायक अरुण वोरा, महापौर धीरज बाकलीवाल, आयुक्त लोकेश चन्द्राकर व सभापति राजेश यादव ने सचिव शरद रत्नाकर ने अपने 38 वर्ष निगम में सेवाएं दी ।लिपिक अनिल मनहरे ने अपने 34 वर्ष कार्यकाल पूरा किया।

सहायक राजस्व निरीक्षक आफाक कुरैशी और सफाई कर्मी श्रीमती मंगू बाई का शाल एवं श्रीफल भेंट कर पुष्पमाला पहनाकर अभिनंदन किया मौजूद अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी साथ सम्मान किया।

इस अवसर पर सभी ने कार्य के दौरान हुए खट्टे-मीठे अनुभव को साझा किया। उन्होंने ने प्रशस्ति पत्र और उपहार भेंट करते हुए उनके द्वारा किए गये कार्यो की सराहना की। वहीं नगर निगम के अधिकारियों ने चारो के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पुष्प भेंट की। विधायक अरुण वोरा एवं महापौर धीरज बाकलीवाल ने कहा कि अपने जीवन का आधा समय आपने निगम प्रशासन को दिया है, आने वाला समय आपका और भी बेहतर हो, निगम परिवार ऐसी कामना करता है।

सेवानिवृत्त के बाद कभी भी कोई परेशानी होने पर निगम परिवार सदैव साथ होने का भरोसा उन्हें दिलाया गया।आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को निगम के हर कठिन परिस्थितियों में काम करते हुए कई उपलब्धियां हासिल किए है जिसके लिए उन्होंने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किए।इस दौरान कार्यक्रम समारोह में मौजूद एमआईसी सदस्य अब्दुल गनी,संजय कोहले,दीपक साहू, भोला महोविया,जयश्री जोशी, हमीद खोखर,मनदीप सिंह भाटिया, पार्षद भास्कर कुंडले,उपायुक्त मोहेंद्र साहू,कार्यपालन अभियंता दिनेश नेताम,राजेंश पांडेय,आरके पालिया,जितेंद्र समैया समेत आदि अधिकारी/कर्मचारी मौजद रहें।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950